छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2012

कक्षा-10वीं

विषय-संस्कृत

सेट-1

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शुद्ध एवं सुवाच्य लिखें।

प्रश्न 1.(अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए— **5**

(i) शुनः कतिः गुणाः भवन्ति—

(क) चत्वार

(ख) षट्

(ग) एकम्

(घ) द्वे

उत्तर—(ख) षट्।

(ii) अत्र सप्तमी विभक्तिः नास्ति—

(क) मनसि

(ख) जलाशये

(ग) वर्तते

(घ) रात्रौ

उत्तर—(ग) वर्तते।

(iii) पृथ्वी कं परितः परिभ्रमति?

(क) सूर्यम्

(ख) ग्रहाणाम्

(ग) चन्द्रमा

(घ) परिधिः

उत्तर—(क) सूर्यम्।

(iv) कूप समीपे एकः शिलाखण्डः आसीत्—

(क) विशालः

(ख) लघुः

(ग) गर्ताः

(घ) घटैः

उत्तर—(क) विशालः।

(v) नाप्राप्यम् का सही संधि विच्छेद चुनिये—

(क) ना + प्राप्यम्

(ख) न + अप्राप्यम्

(ग) नाप्रा + प्यम्

(घ) नाप्राप् + यम्

उत्तर—(ख) न + अप्राप्यम्।

(vi) हंस काकौ कुत्र निवसत: स्म?

(क) अश्वत्थवृक्षे

(ख) शल्मलीवृक्षे

(ग) वटवृक्षे

(घ) आम्रवृक्षे

उत्तर—(ग) वटवृक्षे।

(ब) उचित संबंध जोड़िए— 5

खण्ड (अ)		**खण्ड (ब)**	
(i)	वाचा	(क)	चरणविहीन:
(ii)	अपद:	(ख)	वदन्त:
(iii)	अरण्य	(ग)	विद्वान्
(iv)	कोमलै:	(घ)	पश्चात्
(v)	पूर्वम्	(ङ)	वनं

उत्तर—

खण्ड (अ)		**खण्ड (ब)**	
(i)	वाचा	(ख)	वदन्त:
(ii)	अपद:	(क)	चरणविहीन:
(iii)	अरण्य	(ङ)	वनं
(vi)	कोमलै:	(ग)	विद्वान्
(v)	पूर्वम्	(घ)	पश्चात्

प्रश्न 2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिए—(कोई 6) 6

(i) प्रजापति: किम् उत्तरं अयच्छत्?

(ii) शतं वर्षाणि क: जीवति ?

(iii) देवासुरयो: मध्ये कुत्र युद्धं अभवत्?

(iv) शंकराचार्यस्य मातुः नाम किम्?

(v) छात्रः कुशाग्र बुद्धिः कथं भवति?

(vi) धारानगरे कः राजते?

(vii) दमः कस्मात् श्रेष्ठः मन्यते?

उत्तर—

(i) प्रजापतिः उत्तरम् अयच्छत्–"यस्मिन् निर्गते शरीरं नश्येत् स वः श्रेष्ठः।

(ii) शतं वर्षाणि सदाचारवान् नरः जीवति।

(iii) देवासुरयो मध्ये समुद्रतीरान्ते युद्धम् अभवत्।

(iv) शंकराचार्यस्य मातुः नाम सती आसीत्।

(v) छात्रः मनोयोगेन सह पाठ्यविषयानाम् अभ्यासेन कुशाग्र बुद्धिः भवति।

(vi) धारा नगरे राजाभोजः राजते।

(vii) दमः दानात् श्रेष्ठः मन्यते।

प्रश्न 3. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए —(कोई 6) **6**

(i) आर्यभटीयम् इति ग्रन्थस्य लेखकः कः?

(ii) इन्द्र पुत्रस्य किं नाम अस्ति?

(iii) दशकूप समः कः अस्ति?

(iv) मनसि आगते प्राणाः किम् अकुर्वन्?

(v) द्वारपालः प्रवेशं कृत्वा कस्मै निवेदयते?

(vi) सूर्यः कं नाशयति?

(vii) गृहे किं मित्रं भवति?

उत्तर—

(i) 'आर्यभटीयम्' ग्रन्थ के लेखक आर्यभट्ट थे।

(ii) इन्द्र के पुत्र का नाम जयन्त है।

(iii) दस कुएँ के बराबर एक वापी (बाबड़ी) होती है।

(iv) मन इन्द्रिय के आने पर प्राण शरीर से बाहर जाने लगा।

(v) द्वारपाल प्रवेश करके राजा से निवेदन करता है।

(vi) सूर्य अन्धकार को नष्ट करता है।

(vii) घर में पत्नी मित्र होती है।

प्रश्न 4. संधि विच्छेद कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) पावकः

(ii) सदाचारः

(iii) नरस्तरित

उत्तर—

(i) पौ + अकः = पावकः – अयादि स्वर संधि

(ii) सत् + आचारः = सदाचारः – व्यञ्जन संधि

(ii) नरः + तरति = नरस्तरति – विसर्ग संधि

प्रश्न 5. संधि कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) भानुः + उदितः

(ii) महा + ऋषिः

(iii) जगत् + नाथः

उत्तर—

(i) भानुः + उदितः = भानुरूदितः – विसर्ग संधि

(ii) महा + ऋषिः = महर्षिः – गुण स्वर संधि

(iii) जगत् + नाथः = जगन्नाथः – व्यञ्जन संधि

प्रश्न 6. निम्नांकित में से किन्हीं दो उपसर्गों का प्रयोग कर दो शब्द बनाइये—(कोई 2) **2**

(i) प्र

(ii) अति

(iii) निस्

उत्तर—

(i) प्र – प्रसार :, प्रकाशः

(ii) अति – अत्याचारः, अतिसारः

(iii) निस् – निश्चयः, निर्दोषः

प्रश्न 7. निम्नांकित में से किन्हीं दो अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए—(कोई 2) **2**

(i) श्वः

(ii) अद्य

(iii) सदा

उत्तर—

(i) श्वः – वयं श्वः भ्रमणाय गमिष्यामः।

(ii) अद्यः – अहं अद्य शालां न गमिष्यामि।

(iii) सदा – सदा सत्यं वद।

प्रश्न 8. (अ) प्रकृति प्रत्यय अलग करके लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) ज्ञातः

(ii) नीत्वा

(iii) पठितवान्

उत्तर—

(i) ज्ञा + क्त = ज्ञात = ज्ञातः

(ii) नी + कत्वा = नीत्वा

(iii) पठ् + कत्तवतु = पठितवत् = पठितवान्

(ब) निम्नलिखित धातुओं के साथ शतृ प्रत्यय जोड़िए—(कोई दो) **2**

(i) कृ + शतृ

(ii) पत् + शतृ

(iii) क्रीड् + शतृ

उत्तर—

(i) कृ + शतृ = कुर्वन्

(ii) पत् + शतृ = पतन्

(iii) क्रीड् + शतृ = क्रीडन्

प्रश्न 9. (अ) समास विग्रह कर नाम लिखिए—(कोई दो) **2**

(i) नीलोत्पलम्

(ii) रामलक्ष्मणौ

(iii) त्रिपथम्

उत्तर—

(i) नीलम् उत्पलम् – नीलोत्पलम् – कर्मधारय समास

(ii) रामश्च लक्ष्मणश्च – रामलक्ष्मणौ – द्वन्द्व समास

(iii) त्रयाणां पथाम् समाहारः – त्रिपथम् – द्विगु समास

(ब) सामासिक शब्द बनाकर समास का नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) महान् चासौ पुरुषः

(ii) बाणेन हतः

(iii) पंचानां रात्रीणां समाहारः

उत्तर—

(i) महान् चासौ पुरुषः = महापुरुषः – कर्मधारय समास

(ii) बाणेन् हतः = बाणहतः – तृतीया तत्पुरुष समास

(iii) पंचानां रात्रीणां समाहारः = पंचरात्रम् – द्विगु समास

प्रश्न 10. (अ) निर्देशानुसार शब्दरूप लिखिए (तीनों वचनों में) (कोई 2) **2**

(i) फल – द्वितीया विभक्ति

(ii) "तृ – पञ्चमी विभक्ति

(iii) मनस् – तृतीया विभक्ति

उत्तर—

(i) फलम्	फले	फलानि
(ii) "तु:	"तृभ्याम्	"तृभ्य:
(iii) मनसा	मनोभ्याम्	मनोभि:

(ब) निम्नांकित शब्दरूपों की विभक्ति एवं वचन पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) आत्मभि:

(ii) तमस:

(iii) कस्मिन्

उत्तर—

(i) आत्मभि: – तृतीया विभक्ति – बहुवचन

(ii) तमस: – पंचमी एवं षष्ठी – एकवचन

(iii) कस्मिन् – सप्तमी विभक्ति – एकवचन

प्रश्न 11. निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) चुर् – लट्लकार – उत्तम पुरुष (तीनों वचनों में)

(ii) भू – लोट्लकार – मध्यम पुरुष (तीनों वचनों में)

(iii) पठ् – लड्लकार – प्रथम पुरुष (तीनों वचनों में)

उत्तर—

(i) चोरयामि	चोरयाव:	चोरयाम:
(ii) भव	भवतम्	भवत
(iii) अपठत्	अपठताम्	अपठन्

प्रश्न 12. कारक पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) बालक: शय्यां अधिशेते।

(ii) राम: बाणेन रावणं हन्ति।

(iii) स: विप्राय धनं ददाति।

उत्तर—

(i) शय्यां – द्वितीया विभक्ति – कर्म कारक

(ii) बाणेन – तृतीया विभक्ति – करण कारक

(iii) विप्राय – चतुर्थी विभक्ति – संप्रदान कारक

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित वाक्यों को वाच्य पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) स: हसति।

(ii) राम: भक्षणं करोति।

(iii) शिक्षक: छात्रं प्रश्नं पृच्छति।

उत्तर—

(i) सः हसति - कर्तृवाच्य

(ii) रामः भक्षणं करोति - कर्तृवाच्य

(iii) शिक्षकः छात्रं: प्रश्नं पृच्छति - कर्तृवाच्य

(ब) विलोम शब्द चुनकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) श्वः (अद्य / ह्यः / परश्वः)

(ii) अनभीष्टम् (कथनम् / अभीष्टम् / ''यम्)

(iii) सदाचारः (आचारत् / दुराचारः / विचारात्)

उत्तर—

(i) ह्यः।

(ii) अभीष्टम्।

(iii) दुराचारः।

प्रश्न 14. (अ) अपनी पाठ्य पुस्तक में से कोई दो सुभाषित श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आये हों। **2 + 2 = 4**

उत्तर—

1. क्षमा शस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं करिष्यति।
   अतृणे पतितो वहिनः स्वयमेवोपशाम्यति।।
2. दातव्यमिति यद्दानं दीयतेऽनुपकारिणे।
   देशे काले च पात्रे च तददानं सात्त्विक स्मृतम्।।

(ब) अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो सूक्ति अर्थ सहित लिखिए। **2**

उत्तर—

1. सत्यमेव जयते।
   अर्थ—सत्य की ही हमेशा जीत होती है।
2. धर्मो रक्षति रक्षितः।
   अर्थ—धर्म की जो रक्षा करता है उसकी रक्षा धर्म करता है।

प्रश्न 15. किन्हीं दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **3 + 3 = 6**

(अ) एकदा सः परीक्षायां सफलः न अभवत्, विद्यालयात् च बहिः निरगच्छतः। मार्गे एकः कूपः आसीत्। कूपसमीपे एकः विशालः शिलाखण्डः आसीत्। शिलाखण्डे अनेके लघुगर्ताः आसन्। अनेकाः महिलाः कूपजलेन घटान् पूरयन्ति स्म। बोपदेवः तत्र अतिष्ठत् एकां महिलां च अपृच्छत-मातः! एतान् सुन्दरान् गर्तान् कः अरचयत्?

उत्तर—अनुवाद—एक बार वह परीक्षा में सफल नहीं हुआ और विद्यालय से बाहर निकल गया। मार्ग में एक कुआँ था। कुएँ के पास एक विशाल पत्थर की चट्टान थी। पत्थर की चट्टान में बहुत से छोटे गड्ढे थे। अनेक स्त्रियाँ कुएँ के जल से घड़ों को भर रही थीं। बोपदेव वहाँ रुक गया और एक स्त्री से पूछा—माता! इन सुन्दर गड्ढों को किसने बनाया।

(ब) भावादृशा एव भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतेमले हि मनसि स्फटिक-मण

गौ-रजनिकर-गभस्तय इव विशन्ति सुखेन उपदेशागुणाः। गुरुवचनम् अलम" सलिलं इव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलं अभव्यस्य।

उत्तर—अनुवाद—आप जैसे ही उपदेशों के पात्र होते हैं। जिस प्रकार स्फटिक मणि में चन्द्रमा की किरणें प्रविष्ट होकर उसे आलोकित कर देती हैं, उसी प्रकार जो मन स्वच्छ है (जो काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि दुर्गुणों से रहित है) उसी में उपदेश के गुण सरलता से प्रवेश कर जाते हैं। जो पात्र नहीं होते उनके कानों में गुरु का कल्याणकारी उपदेश प्रवेश करते ही ऐसी पीड़ा पहुँचाता है जैसे स्वच्छ पानी अगर कान के पर्दे तक पहुँच जाये तो पीड़ा होती है।

(स) एवं हि परस्परं युध्यमानेषु सुत्सु असुराणां विषदिग्धः शस्त्रेभ्यः भीता सुरेन्द्रवाहिनी पलायनम् अकरोत्। एकलः बोधिसत्वात्मकः सुरेन्द्रः एव रथेन असुराणां बलम् अवरुध्य समरेऽतिष्ठत ततः सारथिः मातलिः अपसरणम् एव इत उचितम् इति मत्वा देवेन्द्रस्य स्यन्दनं न्यवर्तयत्।

उत्तर—अनुवाद—इस प्रकार आपस में युद्ध करने में लगे होने पर असुरों के विष बुझे हुए शस्त्रों से डरी देवेन्द्र की सेना भागने लगी। अकेले बोधिसत्वरूपी सुरेन्द्र ही रथ के द्वारा असुरों की सेना को रोककर युद्ध में ठहरे रहे। इसके बाद सारथि मातलि ने यहाँ से भागना ही उचित है, ऐसा मानकर देवेन्द्र के रथ को लौटाया।

प्रश्न 16. निम्नांकित शीर्षक में से किसी एक नाटक से मिलने वाली शिक्षा लिखिए—(100 शब्दों में) **3**

(i) तेजसां हि न वयः समीक्ष्यते

(ii) अनुक्तम" ऊहति पण्डितोजनः।

उत्तर—

(i) तेजसां हि न वयः समीक्ष्यते

इस नाटक से मिलने वाली शिक्षा है कि लव के पराक्रम को देखकर चन्द्रकेतु स्वयं अपने को तथा लव दोनों को समान बलशाली व तेजस्वी मानकर न्यायायुद्ध की बात करता है। चन्द्रकेतु कहता है अपने ही लोगों (सैनिकों) को विनाश करने से क्या लाभ, मुझसे युद्ध करो। युद्ध में चन्द्रकेतु और सुमन्त्र दोनों ही लव के जृम्भकास्त्र के प्रयोग से आश्चर्यचकित हो जाते हैं। तब चन्द्रकेतु युद्ध सिद्धान्त का न्याय और रघुकुल की रीति के अनुसार पैदल चलकर लव से मिलता है। अर्थात् युद्ध में हमें शत्रु को कभी भी निर्बल नहीं समझना चाहिए और युद्ध में भी धर्म का पालन (आचरण) करना चाहिए। यही न्याय-संगत है।

(ii) अनुक्तम" ऊहति पण्डितोजनः

इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि विद्वान व्यक्ति ही राज्य की शोभा बढ़ाते हैं तथा राज्य का आश्रय पाने का अधिकारी वही व्यक्ति होता है, जिसमें तुरन्त प्रश्नों का उत्तर देने की क्षमता हो। धारा नगर में जहाँ भोजराज सुशोभित हैं, वहाँ पर कवियों का और पण्डितों का सम्मेलन होता है। उसी राज्य में कवि भी आश्रय पाने की कामना करता है, जिसने साहित्यशास्त्र में वेद के छः अंगों का अध्ययन किया तथा कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी परिश्रम किया है। राज्य में कोई

भी रिक्त स्थान न होने के कारण राजा उसे दूध से भरे हुए पात्र के द्वारा संकेत भेजता है कि जैसे यह पात्र दूध से भरा हुआ है, उसी प्रकार उसकी सभा भी कवियों से पूरी तरह भरी है। इस पर कवि ने तुरन्त सूचित किया कि जिस प्रकार शक्कर दूध के साथ मिलकर उसकी मिठास बढ़ाती है, उसी प्रकार मैं भी कवियों के साथ मिलकर सभा की शोभा बढ़ाऊँगा। इस प्रकार कवि अपनी तुरन्त उत्तर देने की क्षमता व विद्वान होने के कारण उस राज्य में आश्रय पाने का अधिकारी है।

प्रश्न 17. पाठ "शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्" में स्वस्थ शरीर की रक्षा का क्या नियम है ? (100 शब्दों में) हिन्दी में लिखिए। 3

उत्तर—स्वास्थ्य रक्षा से संबंधित नियमों में सर्वप्रथम है। प्रातः उठकर शुद्ध वायु का लाभ लेना चाहिए अर्थात् सूर्योदय से पूर्व ही शय्या छोड़ देनी चाहिए। प्रातःकाल एवं सायंकाल दाँत साफ करने चाहिए। प्रतिदिन व्यायाम एवं स्नान करना चाहिए। मनुष्य को प्रतिदिन शरीर में तेल मालिश करनी चाहिए। प्रातःकाल उठकर पानी पीना चाहिए। भोजन के अन्त में छाछ पीनी चाहिए तथा रात्रि के समय दुग्ध का सेवन करना चाहिए। मनुष्य को सदैव हितकारी भोजन करना चाहिए।

प्रश्न 18. 'बुद्धिमान कच्छपः अथवा 'परोपकारः' नामक शीर्षक में से किसी एक विषय पर संस्कृत में 10 वाक्य में लिखिए। 6

उत्तर—

बुद्धिमान कच्छपः

शशकः कच्छपः च मित्रे आस्ताम्। एकदा तयोः मध्य विवादः जातः। शशकः अभिमानी आसीत्। सः स्वकूर्दने अतीव गर्वम् अकरोत्। कच्छपः शनैः चलति स्म परम् सः अलसः आसीत्। शशकः तु प्रायः निद्रायमाणः दृश्यते स्म। विवादस्य निर्णयार्थं तयोः मध्ये धावन-प्रतियोगिता अभवत्। तत्र स्थितः शृगालः निर्णायकः आसीत्। प्रतियोगिता आरभत। शशकः अर्धमार्गं यावत् धावित्वा विश्रामाय वृक्षस्य अधः अस्वपत्।

कच्छपः यद्य" शनैः चलति स्म परं स जागरणशीलः आसीत्। शनैः गच्छन् अ" कच्छपः अजयत् परं शशकः स्वप्नकारणात् विलम्बात् उदतिष्ठत् पराजितः च अभवत्।

अथवा

परोपकारः

जीमूतकेतुः विद्याधराधिपतिः आसीत्। तस्य गृहे कल्पतरुः स्थितः। सः तं सम्पूज्य तत्प्रसादात् जीमूतवाहनो नाम पुत्रं प्राप्तवान्। सः महान् दानवीरः सर्वजीवानुकम्पी च अभवत्। कालन राजा तं यौवराज्यदे अभिषिक्तवान्। एकदा मन्त्रिभिः सः उक्तः—युवराज! अयं कामदः कल्पतरु सदा पूज्यः।

एतत् आकर्ण्य जीमूतवाहनः कल्पतरुम् उपगम्य अकथयत्—देव! ममैकां कामनां पूरयतु। यथा पृथ्वीम् अदरिद्रां पश्यामि, तथा करोतु देवः। लोकस्य अर्थिने त्वं मया दत्तोऽसि।" इति क्षणेन स कल्पतरु भुवि तथा वसूनि अवर्षत् यथा कोऽ" न दुर्गतः आसीत्। ततः तस्य जीमूतवाहनस्य

परोपकाराय सर्वत्र यशः प्रशितम्। सत्यमुक्तम्—"परोपकाराय हि सतां विभूतयाः।

प्रश्न 19. जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अपने मित्र को संस्कृत भाषा में बधाई पत्र लिखिए। **3**

उत्तर— जन्मदिवसोपलक्ष्ये मित्राय वर्धापनं पत्रम्

246 सी बी-4 केशवपुरम
दिल्लीतः
16.12.20.....

प्रिय मित्र सत्य,

सस्नेह नमः !

जन्मदिवसस्यावसरे तव सौख्याय, दीर्घायुष्याय, स्वस्थजीवनाय, च ईश्वरं प्रार्थये। मम हार्दिक शुभकामनाः वर्धापनानि च स्वीकुरु।

तव अभिन्नहृदयः
प्रदीप कुमार

अथवा

प्रश्न—दीपावली के अवसर पर अपनी बड़ी बहन को संस्कृत भाषा में शुभकामना पत्र लिखिए।

उत्तर—

B -525 रोहिणी
दिल्लीतः
01-11-20..

आदरणीये भगिनि राधिके

सादरं नमः।

प्रकाशस्यायम् उत्सवः युष्माकं सर्वेषां जीवने सुखं, समृद्धिं, आरोग्यं च पूरयेत् इति मे कामनाः।

भवत्याः अनुजा
श्रुतिः

प्रश्न 20. किन्हीं दो श्लोकों का (मातृभाषा) हिंदी में अनुवाद कीजिए— **3 + 3 = 6**

(अ) वृतं यत्नेन संरक्षेद्वित्तमेति च याति च।
अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।।

उत्तर—अनुवाद—चरित्र की यत्न से रक्षा करनी चाहिए न कि चरित्र को त्यागकर धन की रक्षा करें। क्योंकि धन तो आता और जाता रहता है। जो धन से तो सम्पन्न है और आचरण (चरित्र) से भ्रष्ट है, वे मरे हुए से भी मरे हुए हैं।

(ब) आयुः सत्वबलारोग्य सुखप्रीतिविवर्धनाः।
रस्या स्निग्धाः स्थिरा हृद्या आहाराः सात्त्विकप्रियाः।।

उत्तर—अनुवाद—आयु, सामर्थ्य, बल, आरोग्य, सुख और प्रीति को बढ़ाने वाले रसयुक्त,

चिकनाई से युक्त (घृतादि) स्थिर रहने वाले, हृदय को ”य आहार सात्त्विक पुरुष को ”य होते हैं।

(स) जीवनं सर्वप्राणिनां जलाशयसुनिर्भरम्।
संरक्ष्यं वर्धनीयं च जलं रक्षति रक्षितम्।।

उत्तर—अनुवाद—सभी प्राणियों का जीवन जलाशयों पर निर्भर करता है। इसलिए उन जलाशयों की रक्षा करनी चाहिए तथा उनकी वृद्धि का प्रयास करना चाहिए क्योंकि रक्षित जल ही हमारी रक्षा करता है।

प्रश्न 21. निम्नांकित में से किन्हीं चार का संस्कृत से हिंदी में अनुवाद कीजिए— 4

(i) विद्यालयं समयेन गन्तव्यम्।
(ii) पुष्पानि न त्रोटनीयानि।
(iii) बालकृष्णाय नवनीतं रोचते।
(iv) शिवाय नमः।
(v) परिश्रमेण विना किम” कार्यं न सिद्धयति।
(vi) सज्जनः पापत् जुगुप्सते।

उत्तर—

(i) विद्यालय समय से जाना चाहिए।
(ii) फूलों को नहीं तोड़ना चाहिए।
(iii) बालकृष्ण को मक्खन अच्छा लगता है।
(iv) शिवजी को नमस्कार है।
(v) परिश्रम के बिना कोई भी काम सफल नहीं होता है।
(vi) सज्जन पाप से घृणा करते हैं।

प्रश्न 22. निम्नांकित में से किन्हीं चार का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 4

(i) राम ”ता के साथ जाता है।
(ii) गंगा हिमालय से निकलती है।
(iii) अतिथि को भोजन दो।
(iv) पर्वतों में हिमालय श्रेष्ठ है।
(v) पेड़ों पर पक्षी हैं।
(vi) लता साँप से डरती है।

उत्तर—

(i) रामः ”त्रा सह गच्छति।
(ii) गंगा हिमालयात् प्रभवति।
(iii) अतिथिये भोजनं यच्छतु।
(iv) पर्वतेषु हिमालयः श्रेष्ठः।
(v) वृक्षेषु खगाः सन्ति।
(vi) लता सर्पात् विमेति।

प्रश्न 23. 'त्याज्यं न धैर्यम्' के संदर्भ में 100 शब्द हिंदी में कथासार लिखिए। 3

उत्तर—इस कथा के माध्यम से जीवन में धैर्य की महत्ता को दर्शाया गया है। सभी को मित्रों की आवश्यकता होती है। मित्रों के चयन में सजगता आवश्यक है। संकट की घड़ी में ध ैर्य एक उपयोगी गुण है। इस पाठ में बन्दर का प्राण संकट में पड़ जाता है। बन्दर तो मगरमच्छ को अतिथि मानकर जामुन के मीठे फल देता है। किन्तु मगरमच्छ बंदर का ही कलेजा खाना चाहता है। बन्दर संकट में धैर्य और चतुराई से अपने प्राण बचाने में कामयाब हो जाता है। अर्थात् देशकाल, परिस्थिति के अनुरूप सही समय पर कार्य करने पर सफलता मिलती है। यही इस कथा का केन्द्रीय भाव है।

प्रश्न 24. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

6

संस्कृत साहित्यस्य महती परम्परा वर्तते। वैदिक भाषासु वेदोपनिषदादय: लौकिक संस्कृते दर्शनपुराणेतिहास साहित्यशास्त्रदय: रचिता:। भारतस्य महाकविषु गणनायां केनचित् कथितम् "कनिष्ठकाधिष्ठित कालिदास:"। संस्कृतसाहित्ये कालिदासरचिता: सप्तग्रन्था: शोभन्ते। तस्योपमाऽतीव मनोहरा। कथितम"-"उपमा कालिदास्य, भारवेरर्थगौरवम्।"

(i) सारांश-लेखन कुरुत। (अपठित गद्यांश के सारांश संस्कृत में)

(ii) शीर्षकं लिखतु। (उचित शीर्षक लिखिये)

(iii) भारतस्य महाकविषु गणनायां केनचित् कथितम्?

उत्तर—

(i) सारांश-संस्कृत साहित्यस्य महती परम्परा अस्ति। लौकिके साहित्य क्षेत्रो कालिदास: विशेषत:। स: कनिष्ठकाधिष्ठित कविश्वरा:। तेन सप्तग्रन्था: रचिता:।

(ii) शीर्षकं-"साहित्ये कालिदास:"

(iii) भारतस्य महाकविषु गणनायां केनचित् कथितम् "कनिष्ठकाधिष्ठित कालिदास:।"

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2012

कक्षा-10वीं

विषय- संस्कृत

सेट-2

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शुद्ध एवं सुवाच्य लिखें।

प्रश्न 1. (अ) सही विकल्प चुनकर लिखिये— **1 × 5 = 5**

(i) हंसकाकौ कुत्र निवसत: स्म ?

(क) अश्वत्वृक्षे

(ख) शल्मलीवृक्षे

(ग) वटवृक्षे

(घ) जम्बूवृक्षे

उत्तर—(ग) वटवृक्षे।

(ii) पथिकस्य कुरवे केन पुरीषोत्सर्गं कृतम् ?

(क) हंसेन

(ख) काकेन

(ग) कपोतेन

(घ) मुषकेन

उत्तर—(ख) काकेन।

(iii) अत्र ल्यप् प्रत्यय: अस्ति—

(क) पथिकाय

(ख) दुर्जनाय

(ग) निधाय

(घ) बालकाय

उत्तर—(ग) निधाय।

(iii) अत्र ल्यप् प्रत्यय: अस्ति—

(क) पथिकाय

(ख) दुर्जनाय

(ग) निधाय

(घ) बालकाय।

उत्तर—(ग) निधाय।

(iv) इदम् अव्ययपदम् अस्ति—

(क) तत्र

(ख) तेन

(ग) त्यज

(घ) केन

उत्तर—(क) तत्र।

(v) अत्र तृतीया विभक्तिः अस्ति—

(अ) वृक्षच्छाया

(ख) उत्थाय

(ग) कृपया

(घ) उत्थापय

उत्तर—(ग) कृपया।

(ब) उचित पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— **1 × 5 = 5**

(i) .....धर्मलक्षणम्। (दशकं/पञ्च/अष्ट)

(ii) विद्यया स्फीयते ज्ञानं.....तत्तनिदर्शनम्। (सत्यात्/मनसा/ज्ञानात्)

(iii) नरः निग्रहेण सर्वमाप्नोति.....यद् यद् इच्छति। (कर्मणा/मनसा/वचसा)

(iv) गुणदोषतः समालोक्य.....शुभं कर्म आरम्भेत्।
(मनःपूर्वकं/बुद्धिपूर्वकं/वचःपूर्वकं)

(v) अतृणे पतितो.....स्वयमेवोपशाम्यति। (जलम्/वर्षः/तृणम्)

उत्तर—

(i) दशकं

(ii) ज्ञानात्

(iii) मनसा

(iv) बुद्धिपूर्वकं

(v) वर्षः।

प्रश्न 2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिये (कोई 6)— **1 × 6 = 6**

(i) छात्रः कुशाग्रः बुद्धिः कथं भवति?

(ii) अनन्तकः व्याधिः कः अस्ति?

(iii) आर्यभट्टेन कं ग्रन्थं रचितः?

(iv) मनसा जनाः किं कुर्वन्ति?

(v) अर्थशास्त्रं केन रचितम्?

(vi) जगत् कीदृशम् अस्ति ?

(vii) काः सन्तु सदा मे गृहे ?

(viii) भारतस्य विशालवक्षः कः अस्ति ?

उत्तर—

(i) छात्रः मनोयोगेन अभ्यासेन कुशाग्र बुद्धिः भवति।

(ii) अनन्तकः व्याधिः लोभः अस्ति।

(iii) आर्यभट्टेन "आर्यभटीयं" ग्रन्थम् रचितम्।

(iv) मनसा जनाः ध्यायन्ति।

(v) अर्थशास्त्रं कौटिल्येन रचितम्।

(vi) जगत् ईशावास्यम् अस्ति्।

(vii) गावः सन्तु सदा मे गृहे।

(viii) भारतस्य विशालवक्षः विन्ध्याचलः अस्ति।

प्रश्न 3. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिये (कोई 6)— **1 × 6 = 6**

(i) गर्ताः कथं जाताः ?

(ii) रक्तमुखः बानरः कुत्र वसति स्म ?

(iii) केन सांसारिक भोगाः युक्ताः आसन् ?

(iv) द्वारपालः प्रवेशं कृत्वा कस्मै निवेदयते ?

(v) सूर्यः कं नाशयति ?

(vi) अस्मांक मनांसि की दृशानि स्यु ?

(vii) कीर्तिः केन प्राप्यते ?

(viii) भागीरथ्याः धारा कीदृशी अस्ति ?

उत्तर—

(i) गड्ढे बार-बार घड़ों के रखने से बने थे।

(ii) रक्तमुख वानर समुद्र के समीप में जामुन के पेड़ पर रहता था।

(iii) वृद्ध ने सांसारिक भोगों का उपभोग एवं अनुभव कर लिया था।

(iv) द्वारपाल प्रवेश करके राजा से निवेदन करता है।

(v) सूर्य अन्धकार को नष्ट करता है।

(vi) हमारे मन परस्पर प्रेममय हों।

(vii) भूमिदान, गोदान आदि से कीर्ति प्राप्त होती है।

(viii) भागीरथी (गंगा) की धारा निर्मल एवं पवित्र है।

प्रश्न 4. (अ) संधि विच्छेद कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) विद्यालयः

(ii) उच्चारणम्

(iii) जगन्नाथः

उत्तर—

(i) विद्या + आलयः = विद्यालयः — दीर्घ स्वर संधि

(ii) उत् + चारणम् = उच्चारणम् — व्यञ्जन संधि

(iii) जगत् + नाथः = जगन्नाथ — व्यञ्जन संधि

(ब) संधि कर नाम लिखिए (कोई 2)— 2

(i) गिरि + दन्द्रः

(ii) वाक् + ईशः

(iii) मनः + रथः

उत्तर—

(i) गिरीन्द्रः — दीर्घ स्वर संधि

(ii) वागीशः — व्यञ्जन संधि

(iii) मनोरथः — विसर्ग संधि

प्रश्न 5. (अ) समास विग्रह कर नाम लिखिए—(कोई 2) 2

(i) कृष्णाश्रितः

(ii) महापुरुषः

(iii) अब्राह्मणः

उत्तर—

(i) कृष्णं आश्रितः — द्वितीया तत्पुरुष समास

(ii) महान् चासौ पुरुषः — कर्मधारय समास

(iii) न ब्राह्मणः — नञ् तत्पुरुष समास

(ब) सामासिक शब्द बनाकर समास का नाम लिखिए—(कोई 2) 2

(i) त्रयाणां पथाम् समाहारः

(ii) धन इव श्यामः

(iii) रामश्च लक्ष्मणश्च

उत्तर—

(i) त्रिपथम् — द्विगु समास

(ii) घनश्यामः — कर्मधारय समास

(iii) रामलक्ष्मणौ —द्वन्द्व समास

प्रश्न 6. निम्नांकित में किन्हीं दो अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए— 2

(i) कुत्र

(ii) शनैः

(iii) अ"

उत्तर—

(i) कुत्र — भवता कुत्र गम्यते ?

(ii) शनैः — सः शनैः शनैः अगच्छत्।

(iii) अ" — सः अ" पठति।

प्रश्न 7. निम्नांकित में से किन्हीं दो उपसर्गों का प्रयोग कर दो शब्द बनाइये— 2

(i) प्र

(ii) अनु

(iii) उप

उत्तर—

(i) प्र — प्रवेशः , प्रकाशः।

(ii) अनु — अनुभवः , अनुवादः।

(iii) उप — उपकारः , उपहारः ।

प्रश्न 8. प्रकृति प्रत्यय अलग करके लिखिए (कोई 2)— 2

(i) आगम्य

(ii) कृत्वा

(iii) लिखितुम्

उत्तर—

(i) धातु + प्रत्यय

गम् + ल्यप्

(ii) कृ + कत्वा

(iii) लिख् + तुमुन्

प्रश्न 9. निम्नलिखित धातुओं के साथ क्त्वा प्रत्यय जोड़िए—(कोई 2) 2

(i) ज्ञा + क्त्वा

(ii) पठ् + क्त्वा

(iii) गम् + क्त्वा

उत्तर—

(i) ज्ञा + क्त्वा = गत्वा

(ii) पढ् + क्त्वा = पठित्वा

(iii) गम् + क्त्वा = गत्वा

प्रश्न 10. निर्देशानुसार शब्दरूप लिखिए (तीनों वचनों में)—(कोई 2) 2

(i) लता — तृतीया विभक्ति

(ii) फल – द्वितीया विभक्ति

(iii) देव – षष्ठी विभक्ति

उत्तर–

(i) लतया	लताभ्याम्	लताभिः
(ii) फलम्	फले	फलानि
(iii) देवस्य	देवयोः	देवानाम्

प्रश्न 11. निम्नांकित शब्दरूपों की विभक्ति एवं वचन पहचानकर लिखिए–(कोई 2) **2**

(i) मनसा

(ii) मतिम्

(iii) सखा

उत्तर–

(i) मनसा – तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ii) मतिम् – द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(iii) सखा – प्रथमा विभक्ति, एकवचन

प्रश्न 12. निर्देशानुसार धातुरूप तीनों वचनों में लिखिए–(कोई 2) **2**

(i) भू (भव) – लट्लकार – उत्तम पुरुष

(ii) पठ् – लृट्लकार – प्रथम पुरुष

(iii) लिख् – लङ्लकार – प्रथम पुरुष

उत्तर–

(i) भवामि	भवावः	भवामः
(ii) पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
(iii) अलिखत्	अलिखताम्	अलिखन्

प्रश्न 13. कारक पहचानकर लिखिए–(कोई 2) **2**

(i) रामः <u>बाणेन</u> हन्ति।

(ii) <u>कृष्णाय</u> नम : ।

(iii) <u>वृक्षात्</u> पत्राणि पतन्ति।

उत्तर–

(i) बाणेन – तृतीया विभक्ति – करण कारक।

(ii) कृष्णाय – चतुर्थी विभक्ति – सम्प्रदान कारक।

(iii) वृक्षात् – पञ्चमी विभक्ति – अपादान कारक।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्य में वाच्य पहचानकर लिखिए–(कोई 2) **2**

(i) सः फलं खादति।

(ii) जनाः चलन्ति।

(iii) तेन गणेशः नम्यते।

उत्तर—

(i) कर्तृवाच्य

(ii) कर्तृवाच्य

(iii) कर्मवाच्य

प्रश्न 15. विलोम शब्द चुनकर लिखिए (कोई 2)— **2**

(i) रात्रिः — (दिवसः / रविः / चन्द्रमा)

(ii) दुखम् — (आनन्द / सुखम् / हर्षः)

(iii) श्वः — (ह्यः / परश्व/ अद्य)

उत्तर—

(i) रात्रि — दिवसः

(ii) दुखम् — सुखम्

(iii) श्वः — ह्यः

प्रश्न 16. (अ) कोई दो सुभाषित श्लोक अपनी पाठ्य पुस्तक से लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आये हों। **2+2**

उत्तर—

(i) यातयामं गतरसं पूतिपर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टम" चामेध्यं भोजनं तामस"यम्॥

(ii) मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रहः।
भावसंशुद्धिरित्येतत् तपो मानसमुच्चयते॥

(ब) अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो सूक्ति अर्थ सहित लिखिए। **2**

उत्तर—

(i) सत्यमेव जयते।
अर्थ—सत्य की हमेशा विजय होती है।

(ii) माता गुरुतरा भूमेः।
अर्थ—माता भूमि से भी बड़ी होती है।

प्रश्न 17. किन्हीं दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **3+3**

(अ) आसीत् समुद्रसमीपे विशालः फलैः पूरितः जम्बुवृक्षः। तस्मिन् वृक्षे बलिष्ठः रक्तमुखनामकः वानरः वसति स्म। एकदा करालमुखः नामकः मकरः वानरम् अपश्यत् अचित्वयत् च यत् अयं वृक्षवासी स्वस्थः चंचलः निर्भीकः इव प्रतिभाति अयं मन सहचरो भवतु इति मत्वा प्रतिदिन सस्नेहं वार्तां करोति।

उत्तर— समुद्र के पास फलों से भरा हुआ जामुन का विशाल पेड़ था। उस पेड़ पर रक्तमुख नाम वाला शक्तिशाली बन्दर रहता था। एक बार करालमुख नाम के मगर ने बन्दर को देखा और सोचा कि पेड़ पर रहने वाला यह स्वस्थ, चंचल और निडर-सा जान पड़ता है। यह मेरा साथी हो, ऐसा मानकर वह प्रतिदिन प्रेम सहित बात करता है।

(ब) तन्नुनं प्रभातसमये मत्स्यजीविनोत्र समागत्य मत्स्यसंक्षयं करिष्यन्ति एतन्मम म" वर्तते। तन्न युक्तं साम्प्रतम् क्षणमप्यत्र अवस्थातुम् तदाकार्ण्य प्रत्युत्पन्नमतिः प्राह, "अहो सत्यम् अभिहितम् भवता। ममाप्यभीष्टमेतत्। तदन्यत्र गम्यताम् इति।"

उत्तर—अनुवाद—इसलिए निश्चित ही प्रातःकाल के समय मछुआरे यहाँ आकर मछलियों का नाश करेंगे। यह मेरे मन में है। इसलिए यहाँ क्षणभर भी ठहरना उचित नहीं है। यह सुनकर प्रत्युत्पन्नमति बोला—"ओ हो सत्य कहा आपने। यह बात मुझे भी अभीष्ट अर्थात् इच्छित है। इसलिए दूसरी जगह चलें।"

(स) तदा वेतालः वदति, "राजन्' त्वं परम विद्वान धैर्यवान् च असि। अहं त्वां रक्षितुम् इच्छामि। सः वञ्चकः भिक्षूकः तब बलिं दातुम् इच्छति। यदा स साष्टांगप्रणामाय कथयेत् तदा त्वं वद, "प्रथम त्वं प्रणामप्रकारं मां दर्शय। तदा प्रणामाय नतस्य भिक्षोः शिरःछेदं कुरु। तस्य वधेन अहं प्रेतशरीरात् मुक्तः भविष्यामि"।

उत्तर—अनुवाद—तब वेताल कहता है—"हे राजा! तुम बहुत बड़े विद्वान और धैर्य वाले हो। मैं तुम्हारी रक्षा करना चाहता हूँ। वह वंचक भिक्षुक तुम्हारी बली देना चाहता है। जब वह साष्टांग प्रणाम के लिए कहे, तब तुम कहना—"पहले तुम प्रणाम का ढंग दिखाओ।" तब प्रणाम के लिए झुके हुए भिक्षु का सिर काट देना। उसके वध से मैं प्रेत शरीर से मुक्त हो जाऊँगा।

प्रश्न 18. किन्हीं दो श्लोकों का (मातृभाषा) हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 3+3

(अ) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम्।।

(ब) धृतिः क्षमा दभोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।
धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।

(स) दातव्यमिति यद्दानं दीयतेऽनुपकारिणे।
देशे काले च पात्रे च तद्दानं सात्विकं स्मृतम्।।

उत्तर—(अ) अनुवाद—अभिवादनशील एवं वृद्धों की सेवा करने वाले मनुष्य में आयु, विद्या, यश और बल इन चार की वृद्धि होती है।

(ब) अनुवाद—धैर्य धारण करना, क्षमाशीलता, मन को वश में करना, चोरी न करना, इन्द्रियों को अपने वश में रखना, बुद्धि, विद्या, सत्य बोलना और क्रोध न करना ये धर्म के दस लक्षण हैं।

(स) अनुवाद—दान देना ही धर्म, ऐसे भाव से जो दान जरूरतमंद व्यक्ति को (पात्र को) उचित समय तथा स्थान में दिया जाता है उस दान को सात्विक दान कहा गया है।

प्रश्न 19. निम्नांकित शीर्षक में से किसी एक नाटक से मिलने वाली शिक्षा लिखिए—
(100 शब्द में)

(i) अनागतं यः कुरुते सशोभते।

(ii) करुणापरा हि साधवः।

उत्तर— (i) अनागतं यः कुरुते सशोभते

इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम अपनी सूझबूझ के द्वारा हर मुश्किल का डटकर सामना कर सकते हैं तथा दूसरों को भी आने वाली मुसीबत से बचा सकते हैं। खरनखर नामक सिंह शिकार के उद्देश्य से गुफा में छिपकर बैठ गया। दधिपुच्छ नाम के स्यार ने सिंह के गुफा में अन्दर जाते हुए पैरों के निशान देखकर उसकी उपस्थिति को भाँप लिया तथा इसे यकीन में बदलने के लिए उसने गुफा से स्वयं को बुलाने के लिए कहा जिसके कारण सिंह आह्वान करता है तथा गुफा सिंह के गर्जन की प्रतिध्वनि से भर जाती है जिसे सुनकर आस-पास के सभी जीव भाग जाते हैं। इस प्रकार स्यार ने बड़ी ही चालाकी से उस सिंह से स्वयं की हीं नहीं बल्कि जंगल के सभी जीव-जन्तुओं की रक्षा की।

(ii) करुणापरा हि साधवः

"दया धरम का मूल है, पाप मूल अभिमान" इस पाठ के अनुसार महात्माओं का अधिकार एवं ऐश्वर्य विपत्ति में भी जीवों के प्रति अनुकम्पा, दया, करुणा से विचलित नहीं होते। एक बार बोधिसत्व संयम, करुणा, परोपकारादि गुणों से सम्पन्न देवताओं के राजा इन्द्र ने भी अपने जीवन रक्षा की अपेक्षा "गरुड़" पक्षी के बच्चे की रक्षा करने को अधिक महत्व दिया। महापुरुषों का हृदय सदा करुणापूर्ण होता है। "मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है।" राजकुमार देवदत्त अपने बाणों से एक पक्षी को मारता है। वह पक्षी तड़पता हुआ सिद्धार्थ के पास गिरता है। सिद्धार्थ करुणा से भरकर उसकी सेवा करता है, इसी बीच देवदत्त अपने शिकार पर अधिकार जतलाता है। राजा न्यायापूर्ण निर्णय देते हुए पक्षी सिद्धार्थ को सौंप देता है।

प्रश्न 20. नववर्ष आने की शुभकामना सन्देश अपनी सखी को संस्कृत भाषा में पत्र लिखिए। **3**

उत्तर—

217-बी, सरोजनीनगरम्

नवदिल्लीतः

28.12.20.....

"य सखि रजनी

सप्रेम नमस्ते।

नवसंवत्सरोऽयं तव जीवने प्रतिदिन सौखनं, सफलतां, समृद्धिम्, नवतां च पूरयेत्।

गृहे समेषां परिवारजनानां कृतेऽ" नववर्षस्य हार्दिकशुभकामनाः।

तव सखी

बरखा तिवारी।

अथवा

प्रश्न—जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अपने मित्र को संस्कृत भाषा में पत्र लिखिए।

उत्तर—

246 सी बी-4 केशवपुरम

दिल्लीतः

16.12.20.....

"य मित्र सत्य,

सस्नेह नमः !

जन्मदिवसस्यावसरे तव सौख्याय, दीर्घायुष्याय, स्वस्थजीवनाय, च ईश्वरं प्रार्थये। मम हार्दिक शुभकामनाः वर्धापनानि च स्वीकुरु।

तव अभिन्नहृदयः

प्रदीप कुमार

प्रश्न 21. "खगोलज्ञः आर्यभट्ट" के सन्दर्भ में 100 शब्द लिखिए। 3

उत्तर—आर्यभट्ट का जन्म पटना के पास कुसुमपुर में हुआ। वे अतिप्रसिद्ध गणितज्ञ और भूगोलज्ञ थे। इनके ग्रन्थ 'आर्यभटीयम्' पर 20 से अधिक टीकाएँ लिखी जा चुकी हैं। इन्होंने सिद्ध किया कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। इन्होंने यह भी बताया कि नक्षत्रों में अपना प्रकाश नहीं है, वे सूर्य से प्रकाश लेकर चमकते हैं। आर्यभट्ट द्वारा प्रतिपादित पाँच सिद्धान्त हैं—

(i) शून्य सिद्धान्तः (ii) दशमलव पद्धति सिद्धान्तः (iii) पृथिव्याः व्याससिद्धान्तः (iv) परिधिव्यासयोः अनुपात सिद्धान्तः (v) ग्रहाणां गतिसिद्धान्तः इत्यादयः।

आर्यभट्ट के इन खोजों अंकगणित, रेखागणित, बीजगणित के सूत्र, शून्य और दशमलव पद्धति के सिद्धान्त आज भी विश्व में माने जाते हैं, इन्होंने समस्त विश्व में भारत का मान बढ़ाया।

प्रश्न 22. संस्कृत में एक पद में उत्तर दीजिए— 3

(i) महाकायः कः आसीत्?

(ii) सूर्यवैश्वानरसमः कुलपतिः कः आसीत्?

(iii) त्रिपथगा नदी का उच्यते?

(iv) दशरथस्य राजधानी का आसीत्?

उत्तर—

(i) विराघः।

(ii) अत्रिः।

(iii) गंगा।

(iv) अयोध्या।

प्रश्न 23. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

6

वैज्ञानिके युगे ज्ञान प्रसाराय यानि-यानि साधनानि आविष्कृतानि सन्ति। तेषु समाचार पत्राणाम" अन्यतमं स्थानं वर्तते। कस्याऽ" जातव्य-विषयस्य अल्पीयसाकालेन व्यापकः प्रचारो यथा—समाचार पत्र द्वारा कर्तुं शक्यते न तथा अन्येन केना" अपायेत। अतएव ज्ञान विस्तार क्षेत्रे समाचार पत्राणां महती उपयोगिता वर्तते।

प्रश्न—

(क) शीर्षकं ददातु। (शीर्षक दीजिये)

(ख) सारांश लेखनं करोतु। (सारांश लेखन कीजिये)

उत्तर—

(क) समाचार पत्राणां महत्वम्।

(ख) मानव समाजे समाचारपत्राणां महती उपयोगिता वर्तते। समाचारपत्रामाध्यमेन कस्याऽ" विषयस्य संदर्भे अल्पकाले एव ज्ञायते जनाः। ज्ञानविस्तारक्षेत्रेऽ" अस्य महत्वपूर्णां भूमिका अस्ति।

प्रश्न 24. "सत्संगत्या प्रभाव" अथवा "परोपकार" नामक शीर्षक में से किसी एक विषय पर संस्कृत में 10 वाक्य लिखिए। 6

उत्तर— सत्संगत्याः प्रभावः

एकदा एकः आखेटकः द्वयोः शुकशवकायोः आपणं गतः। एकं शुकं आचार्यस्य हस्ते बिक्रीतवान् द्वितीयं च कश्चित् मद्यपः क्रीतवान्।

शुकः प्रकृत्या अनुकरणशीलः भवति। मद्यपस्य परिवारवत् तस्य शुक्रः अ" कलह"यान् अपशब्दान् शिक्षितवान्।

प्रथमः शुकः आचार्यस्य गृहे वेदानाम् उपनिषदां गीतायाः च श्लोकानां मन्त्रा च पाठं करोति स्म। पुनः तौ शुकौ केना" अपहत्य कस्यचित् महाधनस्य अग्रे विक्रीतौ। एकस्मात् शुकमन्त्रान् मांगलिकपद्यानि व श्रृत्वा धनी अतीव प्रासीदत् परं अन्यस्मात् शुकात् अपशब्दान् श्रुत्वा स सेवक तं हन्तुम् आदिशत्। तदैव प्रथमः शुकः अवदत्—अयं न हन्यताम्। यतः अस्य कोऽ" न दोषः। संगस्य प्रभावः। अहं तु मुनीनां वचनं श्रृणोमि स्म असौ च मद्यपस्य गृहे अपशब्दान्। उक्तं हि—संसर्गजाः दोषगुणाः भवन्ति।

अथवा

परोपकारः

जीमूतकेतुः विद्याधराधिपतिः आसीत्। तस्य गृहे कल्पतरुः स्थितः। सः तं सम्पूज्य तत्प्रसादात् जीमूतवाहनो नाम पुत्रं प्राप्तवान्। सः महान् दानवीरः सर्वजीवानुकम्पी च अभवत्। कालन राजा तं यौवराज्यदे अभिषिक्तवान्। एकदा मन्त्रिभिः सः उक्तः—युवराज! अयं कामदः कल्पतरु सदा पूज्यः।

एतत् आकर्ण्य जीमूतवाहनः कल्पतरुम् उपगम्य अकथयत्—देव! ममैकां कामनां पूरयतु। यथा पृथ्वीम् अदरिद्रां पश्यामि, तथा करोतु देवः। लोकस्य अर्थिने त्वं मया दत्तोऽसि।" इति क्षणेन स कल्पतरु भुवि तथा वसूनि अवर्षत् यथा कोऽ" न दुर्गतः आसीत्। ततः तस्य जीमूतवाहनस्य परोपकाराय सर्वत्र यशः प्रशितम्। सत्यमुक्तम्—"परोपकाराय हि सतां विभूतयाः।

प्रश्न 25. (अ) निम्नांकित में से किन्हीं चार का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 4

(i) श्री गणेश जी को नमस्कार।

(ii) राधा फल खाती है।

(iii) आज मेरा जन्मदिन है।

(iv) राम पुस्तक पढ़ता है।

(v) वह कलम से लिखता है।

उत्तर—

(i) श्री गणेशाय नमः।

(ii) राधा फलं खादति।

(iii) अद्य मम जन्मदिवसः अस्ति।

(iv) रामः पुस्तकं पठति।

(v) सः कलमेन लिखति।

(ब) निम्नांकित में से किन्हीं चार का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 4

(i) सः विप्राय धनं ददाति।

(ii) "ता पुत्राय क्रुध्यति।

(iii) रामः बाणेन रावणं हन्ति।

(iv) सीता मधुरं वदति।

(v) वृक्षेषु खगाः सन्ति।

उत्तर—

(i) वह ब्राह्मण को धन देता है।

(ii) "ता पुत्र पर क्रोध करता है।

(iii) राम बाण से रावण को मारता है।

(iv) सीता मधुर बोलती है।

(v) वृक्षों में पक्षी रहते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2011

कक्षा-10वीं

विषय-संस्कृत

सेट-3

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शुद्ध एवं सुवाच्य लिखें।

प्रश्न 1. (अ) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिए (कोई 8)— 8

1. महिला: केन घटान् पूरयन्ति स्म ?
2. विद्या केन रक्ष्यते ?
3. रक्तमुख: वानर: कुत्र वसति स्म ?
4. π (पाई) इत्यस्य मानं किम् ?
5. कस्या आज्ञा गरीयसी ?
6. सर्वप्रथमं का गता ?
7. सज्जना: कीदृशां वाणीं न वदन्ति ?
8. पम्पातीरे राम: काम् अपश्चत् ?
9. भोजराज: कुत्र वसति स्म ?
10. ''अपसरणम् एव इत: उचितम्:'' इति क: अकथयत् ?

उत्तर—

1. महिला: कूपजलेन घटान् पूरयन्ति स्म।
2. विद्या योगेन रक्ष्यते।
3. रक्तमुख: वानर: जम्बुवृक्षे वसति स्म।
4. π (पाई) मानं 3.146 इति अस्ति।
5. मातु: आज्ञा गरीयसी।
6. सर्वप्रथमं वाक् निर्गता।
7. सज्जना: हृदयदारिणीं वाणीं न वदन्ति।
8. पम्पातीरे राम: शब्दीम् अपश्यत्।
9. भोजराज: धारानगरे वसति स्म।
10. अपसरणम् एव इत: उचितम् इति मातलि: अकथयत्।

(ब) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में दीजिए (कोई 7)— **7**

1. कं विना शरीरं निर्मलं न भवति ?
2. खरनखरो नाम सिंह: कुत्र प्रतिवसति स्म ?
3. शंकर: शास्त्रार्थे कं जितवान् ?
4. लव: कीदृश: बालक: अस्ति ?
5. दशकूप: सम: क: अस्ति ?
6. गुरु उपदेश: किं हरति ?
7. लक्ष्मी कुत्र प्रतिवसति ?
8. भारतस्य विशालवक्ष: क: अस्ति ?
9. अभिवादनशीलस्य कानि चत्वारि वर्धन्ते ?

उत्तर—

1. स्नान के बिना शरीर निर्मल नहीं होता।
2. खरनखरो नामक सिंह (किसी) वन में रहता था।
3. शंकर शास्त्रार्थ में मण्डन मिश्र से जीते।
4. लव परिश्रमी और वीर बालक है।
5. दस कुएँ के बराबर एक वापी (बावड़ी) होती है।
6. गुरु के उपदेश दोष समूह को दूर करता है।
7. लक्ष्मी साहस में निवास करती है अर्थात् जिसमें साहस होता है उसी के पास लक्ष्मी वास करती है।
8. भारत का विशाल वक्षस्थल (चौड़ी छाती) विंध्याचल पर्वत है।
9. अभिवादनशील वाले मनुष्य में आयु, विद्या, यश और बल इन चार की वृद्धि होती है।

(स) उचित सम्बन्ध जोड़िए— **7**

	खण्ड-अ	**खण्ड-ब**
1.	मधुरं	वित्तमेति च याति च
2.	आकाशात् उच्चतर: किम्	दृष्ट्वा
3.	वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्	"ता
4.	षट्पद:	श्रृण्वन्त:
5.	श्रोत्रेण	चित्रकूट:
6.	समालोक्य	सारग्रहणम्
7.	शैलेन्द्र:	कटु:

उत्तर—

	खण्ड-अ	**खण्ड-ब**
1.	मधुरं	कटु:
2.	आकाशात् उच्चतर: किम्	"ता
3.	वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्	वित्तमेति च याति च
4.	षट्पद:	सारग्रहणम्

5.	श्रोत्रेण	श्रृण्वन्तः
6.	समालोक्य	दृष्ट्वा
7.	शैलेन्द्रः	चित्रकूटः।

प्रश्न 2. किन्हीं दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 6

(क) कं भवन्तः जानन्ति 'आर्यभट्ट' नाम उपग्रह यानं भारते 1975 तमे वर्षे निर्मितम् आसीत् ? अस्य नाम आर्यभट्ट इति कथं निर्धारितम् ? नूनं भारते शताब्द्यां 476 तमे वर्षे आर्यभट्टः नामकः महान् ज्योतिर्विद् गणितज्ञः च आसीत्, येन आर्यभटीयम् इति गणितस्य ज्योतिः शास्त्रस्य च प्रथमः सुनियोजितः ग्रन्थः रचितः।

(ख) अथ कदाचिंत जलाशयं दृष्ट्वा गच्छद्भिः मत्स्य जीविभिः उक्तं—यद् अहो बहुमत्स्योऽयं द्वन्द्वः कदाचिद" न अस्माभिः अन्वेषितः! तदद्य तावदाहारवृत्तिः सञ्जातः सन्ध्या समयः चा" संवृत्तः। अतः श्वः प्रभाते अत्रागत्य मत्स्यसंक्षयं करिष्यामि इति।

(ग) राजा कथां श्रृणोति धैर्येण च युक्तिसंगतम् उत्तरं ददाति। तच्छ्रुत्वा वेतालः पुनः शिंशपातरौ लम्बते। इत्थं राजाचतुर्विंशति वारं मृतकम् आनयत्, प्रश्नानां समुचितैः उत्तरैः च वेतालम् अतोषयत्। पंचविंशकथायां प्रश्नः नासीत् अतः राजा मौनं धृत्वा प्राचलत्।

उत्तर—(क) किं भवन्तः.....ग्रन्थः रचित।

अनुवाद—क्या आप जानते हैं कि आर्यभट्ट नामक उपग्रह यान भारत में सन् 1975 में बनाया गया था। इसका नाम आर्यभट्ट क्यों रखा गया ? निश्चित ही भारत में पांचवीं शताब्दी वर्ष 476 में आर्यभट्ट नामक ज्योतिष एवं गणित के जानकार थे, जिन्होंने आर्यभट्टीय ऐसा गणित तथा ज्योतिषशास्त्र का पहला सुनियोजित ग्रन्थ लिखा।

(ख) अथ कदाचितं.....करिष्यामि इति।

अनुवाद—इसके बाद उस सरोवर को देखकर जाते हुए मछुआरों ने कहा—आश्चर्य है कि बहुत सी मछलियों वाला यह सरोवर हमने कभी भी नहीं खोजा। सो आज तो भोजन का प्रबन्ध हो गया और संध्या का समय भी हो गया, इसलिए कल प्रातःकाल यहाँ आकर मछलियों का नाश करेंगे।

(ग) राजा कथां श्रृणोति.....धृत्वा प्राचलत्।

अनुवाद—राजा कथा सुनता है और धैर्य से युक्तिसंगत उत्तर देता है। उसे सुनकर वेताल फिर शीशम के पेड़ पर लटक जाता है। इस प्रकार राजा चौबीस बार मुर्दे को लाया और प्रश्नों के समुचित उत्तरों के द्वारा वेताल को सन्तुष्ट किया। पच्चीसवीं कथा में प्रश्न नहीं था, इसलिए राजा मौन धारण करके चला।

प्रश्न 3. किन्हीं दो श्लोकों का मातृभाषा में अनुवाद दीजिए— 6

(क) मानं हित्वा "योभवति, क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वाऽर्थवान् भवति, लोभं हित्वा सुखी भवेत्॥

(ख) मनःशौचं कर्मशोचं कुलशौचं च भारत।
शरीर शौचं वाक्यौ चं पञ्चविधं स्मृतम्॥

(ग) महर्षिभिर्यत्र ऋचः प्रगीताः, पूजा च वाणी कविभिः पुराणैः।

गीतोपदिष्टा च जनार्दनेन, स मे ″यो भारतभव्यदेशः॥

उत्तर—(क) मानं हित्वा.....सुखी भवेत्

अनुवाद—मनुष्य अहंकार को त्यागकर सबका ″य होता है। क्रोध त्यागकर मनुष्य कभी शोक नहीं करता। काम वासना को छोड़कर मनुष्य धन वाला होता है और लोभ को त्यागकर सुखी होता है।

(ख) मनः शौचं.....स्मृतम्।

अनुवाद—हे भरत वंश में उत्पन्न अर्जुन ! पवित्रता पाँच प्रकार की मानी गयी है—मन की पवित्रता, कर्म की पवित्रता, कुल की पवित्रता, शरीर की पवित्रता और वाणी की पवित्रता।

(ग) महषिभिर्यत्र.....भारत भव्य देशः।

अनुवाद—जिस भारत देश में महान् ऋषियों ने ऋचाएँ गायीं और प्राचीन कवियों ने अपनी वाणी को पवित्र किया। जहाँ पर जनार्दन अर्थात् भगवान् कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया ऐसा सुन्दर भारत देश मुझे ″य है।

प्रश्न 4. (अ) कोई दो सुभाषित श्लोक अपनी पाठ्य-पुस्तक से लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आये हों। **4**

उत्तर—

1. आयुः सत्वबलारोग्य सुखप्रीति विवर्धनाः।
   रस्या स्निग्धाः स्थिरा हृद्या आहाराः सान्तिवक ″याः॥
2. मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रहः।
   भावसंशुद्धिरित्येतत् तपो मानसमुच्चयते॥

(ब) अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो सूक्ति अर्थ सहित लिखिए। **2**

उत्तर— 1. धर्मो रक्षति रक्षितः।

अर्थ—धर्म की जो रक्षा करता है उसकी रक्षा धर्म करता है।

2. माता गुरुतरा भूमेः।

अर्थ—माता भूमि से भी बड़ी होती है।

प्रश्न 5. सदाचारः अथवा प्राणस्य श्रेष्ठत्वम् नामक शीर्षक में से किसी एक विषय पर संस्कृत में दस वाक्य लिखिए। **6**

उत्तर— **सदाचारः**

1. आचारः परमो धर्मः।
2. सदाचारवान नरः शतं वर्षाणि जीवति।
3. सज्जनाः सदैव सत्यं वदन्ति, सत्कर्माणि च कुर्वन्ति।
4. सदाचारैः ते यशः सुखः नीरोगता च लभते।
5. अतएव वयम" तान् अनुसरणं कुर्याम्।
6. सदाचारिणः गुरुणाम् आदरं सम्मानं च कुर्वन्ति।
7. ते सदा गुरुणाम् आज्ञाः पालयन्ति।
8. चरित्रं यत्नपूर्वक रक्षितव्यं।
9. सदाचारैः एव जना संसारे उन्नतिम् कुर्वन्ति।
10. सदाचारवान् सर्वस्य ″यं भवति।
11. सत्संगतिऽ" श्रेष्ठ सदाचारः।
12. अतएव जनैः सदाचारः पालनीयः।

अथवा

प्राणस्य श्रेष्ठत्वम्

एकदा प्राणाः, वाकः चक्षुः, श्रोत्रं, मनः इत्यादिनां मध्ये अहं श्रेष्ठोऽहं श्रेष्ठ इति विवादः संप्रवृत्तः। प्रजापतिः अवदत्—''यस्मिन् शरीरात् निर्गते तत् शरीरं नश्येत स वः श्रेष्ठः।'' एतत् श्रुत्वा प्रथमं वाक् शरीरात् निर्गता। ततः चक्षुः निर्गता। ततः श्रोत्रः निर्गता। तत् मनः निर्गता। आगत्य ते अपृच्छत् ''कथम् मयि गते यूयम् अजीवत् ?'' प्राणदयः अवदन्—''भोः यथा बालाः मनसा विना प्राणेन श्वसन्तः वाचा वदन्तः, चक्षुषा पश्यन्तः, श्रोत्रेण श्रृण्वन्तः जीवन्ति तथा वयम" अजीवाम्। ततः प्राणाः निर्गन्तु प्रारभन्त। तस्मिन्नेव क्षणे सर्वाणि इन्द्रियानि कष्टेन पीडितानि।

प्रश्न 6. ''साहसे श्रीः प्रतिवसति'' के सन्दर्भ में 150 शब्दों में लिखिए। 6

उत्तर—इस कहानी में बताया गया है कि साहसी व्यक्ति में उदारता, त्याग, सहिष्णुता तथा परोपकार की भावना होती है। वह हमेशा कर्म पथ पर अग्रसर रहता है। उसमें असम्भव को सम्भव कर दिखाने की क्षमता होती है। राजा त्रिविक्रम सेन एक साहसी राजा था। एक भिक्षुक राजा को प्रतिदिन एक फल देता है। राजा भिक्षुक की सहायता के लिए श्मशान जाता है। रात के घोर अन्धकार में श्मशान जाना बड़े साहस का काम है। वहाँ मृत शरीर में स्थित बेताल राजा को भिक्षुक की दुर्भावना बताते हुए सावधान करता है। राजा कपटी भिक्षु को मारकर अपने प्राणों की रक्षा करता है और बेताल को प्रेतयोनि से मुक्ति दिलाता है। साहस एक प्रकार का विशेष गुण है। साहसी व्यक्ति सदा ही परोपकार की भावना से ओतप्रोत रहता है। इसलिए कहा गया है—साहस में ही लक्ष्मी को निवास होता है।

प्रश्न 7. जन्मदिन के उपलक्ष्य में अपने मित्र को संस्कृत में बधाई पत्र लिखिए। 6

उत्तर—

246 सी बी-4 केशवपुरम
दिल्लीतः
16.12.20....

''य मित्र सत्य,

सस्नेहः नमः।

जन्मदिवसस्यावसरे तव सौख्याय, दीर्घायुष्याय, स्वस्थजीवनाय, च ईश्वरं प्रार्थये। मम हार्दिक शुभकामनाः वर्धापनानि च स्वीकुरु।

तव अभिन्नहृदयः
प्रदीप कुमारः

अथवा

प्रश्न—शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने अध्यापक को बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर—

4/38 रूपनगरम्
दिल्लीतः
03/09/20..

श्रद्धेयाः गुरुचरणाः

सादरं प्रणामाञ्जलयः।

शिक्षकदिवसावसरे जीवननिर्मातृणां, गुरुजनानां चरणेषु श्रद्धासुमनोऽञ्जलिम् वर्धापनानि च अर्पयामि।

भवतां विनेय
सात्विकः

प्रश्न 8. अपठित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **6**

भारतीय मनीषीणाम् उक्तिः सत्यं अस्ति यत् नारी नारायणी भवति। नारी दुर्गा भवति। नारी सरस्वती भवति। ''नार्यस्तु पूजयन्ते यत्र रमन्ते तत्र देवताः।'' प्राक्तन् इतिहासे, पुराणे, वेदोपनिषदे नार्याः महिमा दृश्यते। ताः सामाजिक धार्मिकाध्यात्मिकेषुकार्येषु पुरुषस्य सहभागिनी सहगामिनी च भवन्ति। तस्याः परिवारेण सह सम्बन्धाः भावपूर्णः मार्मिकः भवन्ति।

प्रश्न—

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) सामाजिक धार्मिक कार्येषु नारी का भवति ?

(ग) प्रस्तुत गद्यांश का हिन्दी में सारांश लिखिए।

उत्तर—

(अ) शीर्षक—''नारी का महत्व''।

(ब) सामाजिक धार्मिक कार्येषु नारी पुरुषस्य सहभागिनी च भवन्ति।

(स) हिन्दी सारांश—भारतीय मनीषीयों का कथन नारी नारायणी, दुर्गा एवं सरस्वती है, सत्य है। जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवताओं का वास होता है। सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक कार्य में नारी पुरुष की सहभागिनी होती है। यही सौहार्दपूर्ण होता है।

प्रश्न 9. (अ) निर्देशानुसार शब्द रूप लिखिए। (तीनों वचनों में) (कोई 2)— **2**

(क) 'सखि' शब्द द्वितीया विभक्ति।

(ख) ''तृ' शब्द षष्ठी विभक्ति।

(ग) 'अस्मद्' शब्द प्रथम विभक्ति।

उत्तर—

(क) 'सखि' द्वितीया विभक्ति—	सखायम्	सखायौ	सखीन्।
(ख) ''तृ' षष्ठी विभक्ति—	"तुः	"त्रोः	"तृणाम्।
(ग) 'अस्मद्' प्रथमा विभक्ति—	अहम्	आवाम्	वयम्।

(ब) निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए। (तीनों वचनों में) (कोई 2)— **2**

(क) 'अस्' लट्-लकार—प्रथम पुरुष।

(ख) 'भू' (भव्)—लङ्-लकार-मध्यम पुरुष।

(ग) 'कृ' लृट्-लकार—उत्तम पुरुष।

उत्तर—

(क) अस्ति	स्तः	सन्ति
(ख) अभवः	अभवत्	अभवत
(ग) करिष्यामि	करिष्यावः	करिष्यामः।

प्रश्न 10. निम्नांकित में से किन्हीं चार का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **4**

(क) सीमा मधुरं वदति।

(ख) आकाशे खगाः उड्डयन्ति।

(ग) कोलाहलः न करणीयाः।

(घ) मह्यम् दुग्धं अति रोचते।
(ङ) पुष्पाणि न त्रोटनीयानि।
(च) सीता रामेण सह भ्रमति।

उत्तर—

(क) सीमा मधुर बोलती है।
(ख) आकाश में पक्षी उड़ते हैं।
(ग) कोलाहल नहीं करनी चाहिए।
(घ) मुझे दूध बहुत अच्छा लगता है।
(ङ) फूलों को नहीं तोड़ना चाहिए।
(च) सीता राम के साथ वन गई।

प्रश्न 11. निम्नांकित में से किन्हीं चार का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— **4**

(क) श्री राम को नमस्कार है।
(ख) लता सर्प से डरती है।
(ग) वह श्रेया की बहन है।
(घ) सीता पाठशाला जाती थी।
(ङ) गाँव के चारों ओर वन है।
(च) गंगा हिमालय से निकलती है।

उत्तर—

(क) श्री रामाय नमः।
(ख) लता सर्पात् विमेति।
(ग) सा श्रेया भगिनी अस्ति।
(घ) सीता पाठशालाम अगच्छत्।
(ङ) ग्रामं परितः वनानि सन्ति।
(च) गंगा हिमालयात् प्रभवति।

प्रश्न 12. (अ) संधि विच्छेद कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(क) नरेन्द्रः
(ख) वानीशः
(ग) कश्चित्।

उत्तर—

(क) नर + इन्द्रः = नरेन्द्र — गुण स्वर संधि
(ख) वाक् + ईशः = वागीशः — व्यञ्जन संधि
(ग) कः + चित = कश्चित् — विसर्ग संधि

(ब) संधि कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(क) शिवः + अहम्
(ख) तथा + एव
(ग) सत् + जनः

उत्तर—

(क) शिवः + अहम् = शिवोहम — विसर्ग संधि
(ख) तथा + एव = तथैव — वृद्धि स्वर संधि
(ग) सत् + जनः = सज्जनः — व्यञ्जन संधि

प्रश्न 13. (अ) समास विग्रह कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(क) नवरात्रम्,
(ख) दशाननः,
(ग) प्रत्येकम्।

उत्तर—

(क) नवानां रात्रीणी समाहारः — द्विगु समास
(ख) दशा आननानि यस्य सः — बहुव्रीहि समास
(ग) प्रति + एकम् — अव्ययीभाव समास।

(ब) सामासिक शब्द बनाकर समास का नाम लिखिए— **2**

(क) न अर्थः, (ख) दीनाय दानम्, (ग) महान् च असौ पुरुषः।

उत्तर—

(क) न अर्थः = नअर्थः — नञ् तत्पुरुष समास
(ख) दीनाय दानम् = दीनदानम् — चतुर्थी तत्पुरुष समास
(ग) महान् च असौ पुरुषः = महापुरुषः — कर्मधारय समास।

प्रश्न 14. (अ) कारक पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(क) बालकः शय्याम् अधिशेते।
(ख) गुरुणा सह विवादं मा कुरु।
(ग) सः विप्रायः धनः ददाति।

उत्तर—

(क) बालकः शय्याम् अधिशेते—द्वितीया विभक्ति—कर्म कारक।
(ख) गुरुणा सह विवादं मा कुरु—तृतीया विभक्ति—करण कारक।
(ग) सः विप्राय धनः ददाति—चतुर्थी विभक्ति—संप्रदान कारक।

(ब) वाच्य पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(क) छात्रः हसितवान्।
(ख) रमा पुस्तकं पठति।
(ग) मया गृहं गम्यते।

उत्तर—

(क) कर्मवाच्य।
(ख) कर्तृवाच्य।
(ग) भाववाच्य।

प्रश्न 15. निम्नांकित में से किन्हीं चार अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(क) धिक्
(ख) सह
(ग) विना
(घ) बहिः

(ङ) च
(च) खलु।

उत्तर—

(क) धिक् —पा"नम् धिक्।
(ख) सह —गुरुणां सह विवादं मा कुरु।
(ग) विना —ज्ञानात् विना न मुक्तिः।
(घ) बहिः —सः गृहात् बहिः गच्छति।
(ङ) च —रामः श्यामः च भ्रातरौ आस्ताम्।
(च) खलु —मूर्खाः खलु दुर्बोध्याः।

प्रश्न 16. खाली स्थानों की पूर्ति सही विकल्प चुनकर कीजिए— 4
(विद्यालयात्, खादितुम्, रक्षति, हिडिम्बा)

(क) घटोत्कचस्य मातुः नाम.....अस्ति।
(ख) धर्मो.....रक्षितः।
(ग) एकदा बोपदेवः परीक्षायां विफलो भूत्वा.....बहिः निरगच्छत्।
(घ) तव भातृजाया तव हृदयं.....इच्छति।

उत्तर—

(क) हिडिम्बा,
(ख) रक्षति,
(ग) विद्यालयात्,
(घ) खादितुम्।

अथवा

प्रश्न—प्रकृति प्रत्यय अलग करके लिखिए—

(क) पठितवान्
(ख) हतः
(ग) वन्दमान
(घ) कृत्वा।

उत्तर—

	धातु		प्रत्यय
(क)	पठ्	+ क्त्रवसु	= पठितवान्
(ख)	हन्	+ क्त	= हतः
(ग)	वन्द्	+ शानच्	= वन्दमान
(घ)	कृ	+ कत्वा	= कृत्वा।

प्रश्न 17. निम्नांकित शीर्षक में से किसी एक का सारांश लिखते हुए उससे मिलने वाली शिक्षा पर प्रकाश डालिए— 4

(क) तेजसां हि न वयः शोभते।

(ख) मातुराज्ञा गरीयसी।

उत्तर— (क) तेजसां हि न वयः शोभते

इस नाटक से मिलने वाली शिक्षा है कि लव के पराक्रम को देखकर चन्द्रकेतु स्वयं अपने

को तथा लव दोनों को समान बलशाली व तेजस्वी मानकर न्याययुद्ध की बात करता है। चन्द्रकेतु कहता है अपने ही लोगों (सैनिकों) का विनाश करने से क्या लाभ, मुझसे युद्ध करो। युद्ध में चन्द्रकेतु और सुमन्त्र दोनों ही लव के जृम्भकास्त्र के प्रयोग से आश्चर्य- चकित हो जाते हैं। तब चन्द्रकेतु युद्ध सिद्धान्त का न्याय और रघुकुल की रीति के अनुसार पैदल चलकर लव से मिलता है। अर्थात् युद्ध में हमें शत्रु को कभी भी निर्बल नहीं समझना चाहिए और युद्ध में भी धर्म का आचरण (पालन) करना चाहिए। यही न्यायसंगत है।

(ख) मातुराज्ञा गरीयसी

हिडिम्बा नामक एक राक्षसी अपने व्रत की पारणा (उद्यापन) के लिए अपने पुत्र घटोत्कच को एक मनुष्य लाने का आदेश देती है। आज्ञापालनार्थ वह जंगल में केशवदास के परिवार को पकड़ लेता है। केशवदास के तीन पुत्र थे, तीनों एक दूसरे की प्राण रक्षा के लिए आहुति देने को तत्पर थे। अन्ततः मध्यम नामक पुत्र घटोत्कच के साथ जाता है। मध्यम जल पीने की अनुमति लेता है वहाँ उसे देर हो जाती है तो घटोत्कच 'मध्यम मध्यम' करके पुकारता है। आवाज सुनकर कुन्ती पुत्री में मध्यम 'भीम' उपस्थित होता है। दो 'मध्यम' देखकर घटोत्कच सोच में पड़ जाता है। वह दोनों को घर ले जाता है। हिडिम्बा भीम को देखकर बताती है कि भीम ही उसके "ता हैं। घटोत्कच अपने व्यवहार के लिए माफी माँगता है। इधर सकुशल बच जाने से केशवदास परिवार भी खुश हो जाते हैं। वे भीम को धन्यवाद देते हैं। क्योंकि उसने एक ब्राह्मण परिवार की रक्षा की। इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि "रक्षितः धर्मः रक्षित" जो दूसरों की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। केशवदास परिवार के त्याग, घटोत्कच के आज्ञापालन, भीम का रक्षा के लिए दृढ़संकल्प, परिवार से मिलन सभी धर्म का पालन करते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2011

कक्षा-10वीं

विषय- संस्कृत

सेट-4

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शुद्ध एवं सुवाच्य लिखें।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. (अ) सही विकल्प चुनकर लिखिये— **5**

(i) गरुणतां विद्याम् कः अधिगच्छति?

(क) ब्रह्मचारी (ख) परिश्रमी

(ग) शुश्रुषूः (घ) मेधावी।

उत्तर—(ग) शुश्रुषूः।

(ii) अत्र 'अव्ययः' शब्द किम् नास्ति?

(क) यद्य" (ख) प्रभूतम्

(ग) सह (घ) सर्वतः।

उत्तर—(ख) प्रभूतम्।

(iii) का मनुष्याणाम् देवता?

(क) माता (ख) "ता

(ग) भ्राता (घ) भगिनी।

उत्तर—(क) माता।

(iv) जयन्तः कस्य सुतः?

(क) लक्ष्म्या (ख) रामस्य

(ग) इन्द्रस्य (घ) वरुणस्य।

उत्तर—(ग) इन्द्रस्य।

(v) 'भानु' पर्यायवाची शब्दः किम् नास्ति?

(अ) दिनकरः (ख) प्रभाकरः

(ग) दिवाकरः (घ) सुधांशुः।

उत्तर—(घ) सुधांशुः।

(ब) उचित सम्बन्ध जोड़िए— 5

खण्ड (क)	**खण्ड (ख)**
(i) अपद	(अ) सर्पः
(ii) साक्षरः	(ब) चरणविहीनः
(iii) पन्नगः	(स) शिवः
(iv) पक्षीराजः	(द) अक्षरै-युक्त
(v) शूलपाणिः	(र) गरुड़ः

उत्तर—

खण्ड (क)	**खण्ड (ख)**
(i) अपद	चरणविहीनः
(ii) साक्षरः	अक्षरैयुक्त
(iii) पन्नगः	सर्पः
(iv) पक्षीराजः	गरुड़ः
(v) शूलपाणिः	शिवः

प्रश्न 2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिये—(कोई 6) 6

(i) भूमेः गुरुतरा का ?

(ii) समुद्रतीरे फलै-पूरितः कः वृक्षः आसीत् ?

(iii) कः मत्स्यः बिनश्यति ?

(iv) घटोत्कचस्य मातुः किम् नाम ?

(v) सिंहस्य नादम् श्रुत्वा शृगालः किम् कृतवान ?

(vi) जृम्भकास्त्रम् केन प्रयुक्तम् ?

(vii) सर्वप्रथम् का गताः ?

(viii) विद्या केन रक्ष्यते ?

उत्तर—

(i) भूमेः गरुतरा माता अस्ति।

(ii) समुद्रतीरे फलैः पूरितः जम्बुवृक्षः आसीत्।

(iii) यद्भविष्यः मत्स्यः विनश्यति।

(iv) घटोत्कचस्य मातुः नाम हिडिम्बा आसीत्।

(v) सिंहस्य नादं श्रुत्वा शृगालः अधावत्।

(vi) जृम्भकास्त्रं लवेन प्रयुक्तम्।

(vii) सर्वप्रथम वाक् निर्गता।

(viii) विद्या योगेन रक्ष्यते।

प्रश्न 3. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिये—(कोई 6) **6**

(i) खरनखरो नाम सिंह कुत्र वसति स्मः?

(ii) द्विरद तुरंग स्यन्दनस्थाः कस्य सैनिकाः आसन?

(iii) केषाम् उपदेष्टारः विरलाः भवन्ति?

(iv) षटपदः पुष्पेभ्यः किम् गृह्णति?

(v) दमः कस्मात् श्रेष्ठः मन्यते?

(vi) जनस्थाने जटायुः केन हतः?

(vii) सेंव केन भावेन पश्यन्तु?

(viii) लक्ष्मी कुत्र प्रतिवसति?

उत्तर—

(i) खरनखरो नामक सिंह (किसी) वन में रहता था।

(ii) हाथी-घोड़ों पर चन्द्रकेतु के सैनिक सवार थे।

(iii) राजाओं के उपदेशक विरले (कम) ही होते हैं।

(iv) भौंरा फूलों से पराग (मधु) को ग्रहण कर लेता है।

(v) दम दान से महान् है।

(vi) जनस्थान में जहायु को रावण ने मारा।

(vii) सभी मित्र भाव से देखें।

(viii) लक्ष्मी साहस में निवास करती है अर्थात् जिसमें साहस होता है उसी के पास लक्ष्मी वास करती है।

प्रश्न 4. (अ) संधि विच्छेद कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) उच्चारणः

(ii) इतस्ततः

(iii) गणेशः

उत्तर—

(i) उच्च + चारणः = उच्चारणः — व्यञ्जन संधि

(ii) इतः + ततः = इलस्ततः — विसर्ग संधि

(iii) गण + ईशः = गणेशः — गुण स्वर संधि

(ब) संधि विच्छेद कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) इति + आदि

(ii) तत् + लीन

(iii) कविः + अयम

उत्तर—

(i) इति + आदि = इत्यादि — यण स्वर संधि

(ii) तत् + लीन = तल्लीनः — व्यञ्जन संधि

(iii) कविः + अयम = कविरयम् — विसर्ग संधि

प्रश्न 5. समास विग्रह कर नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) प्रतिदिनम्

(ii) महापुरुषः

(iii) दशाननः

उत्तर—

(i) दिनम् दिनम् प्रति — अव्ययीभाव समास

(ii) महान् चासौ पुरुषः — कर्मधारय समास

(iii) दशा आननानि यस्य सः — बहुव्रीहि समास

प्रश्न 6. (अ) सामासिक शब्द बनाकर समास का नाम लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) गंगाया समीपं

(ii) चौरात् भयम्

(iii) न अर्थः

उत्तर—

(i) उपगंगम् — अव्ययीभाव समास

(ii) चौरभयम् — पंचमी तत्पुरुष समास

(iii) अनर्थः — नञ् तत्पुरुष समास

(ब) निम्नांकित में से किन्हीं दो अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए— **2**

(i) एकदा

(ii) कुत्र

(iii) बिना

उत्तर—

(i) एकदा — एकदा अहम् नगरं अगच्छम्।

(ii) कुत्र — भवता कुत्र गम्यते।

(iii) बिना — ज्ञानात् बिना न मुक्तिः।

प्रश्न 7. निम्नांकित में से किन्हीं दो उपसर्गों का प्रयोग कर दो शब्द बनाइये— **2**

(i) अधि

(ii) प्र

(iii) उप

उत्तर—

(i) अधि — अधि + गच्छति = अधिगच्छति

(ii) प्र — प्र + भवति = प्रभवति

(iii) उप — उप + दिशति = उपदिशात

प्रश्न 8. प्रकृति प्रत्यय अलग करके लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) सेवमानः

(ii) प्रणम्य

(iii) गतः

उत्तर—

(i) सेवमानः— शानच् (सेव् + शानच्)

(ii) प्रणम्य — ल्यप् (प्र + णम् + ल्यप्)

(iii) गतः — क्त (ग + क्त)

प्रश्न 9. (अ) निम्न धातुओं के साथ शत् प्रत्यय जोड़िए—(कोई 2) **2**

(i) वद् + शतृ

(ii) हस् + शतृ

(iii) लिख् + शतृ

उत्तर—

(i) वद् + शतृ = वदत्

(ii) हस् + शतृ = हसत्

(iii) लिख + शतृ = लिखत्

(ब) निर्देशानुसार शब्दरूप लिखिए (तीनों वचनों में)—(कोई 2) **2**

(i) भानु – तृतीया विभक्ति

(ii) अस्मद् – सप्तमी विभक्ति

(iii) मति – द्वितीया विभक्ति

उत्तर—

(i) भानुना	भानूभ्याम्	भनुभिः
(ii) मतिम्	मती	मतीः
(iii) मयि	आवयोः	अस्मासु

प्रश्न 10. निम्नांकित शब्दरूपों की विभक्ति एवं वचन पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) सख्ये

(ii) "तरि

(iii) तुभ्यम्

उत्तर—

(i) सख्ये — चतुर्थी विभक्ति — एकवचन

(ii) "तरि — सप्तमी विभक्ति — एकवचन

(iii) तुभ्यम् — चतुर्थी विभक्ति — एकवचन

प्रश्न 11. निर्देशानुसार धातुरूप तीनों वचनों में लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) भू — लृट् लकार — मध्यम पुरुष

(ii) अस् — लङ् लकार — प्रथम पुरुष

(iii) कृ — लट् लकार — उत्तम पुरुष

उत्तर—

(i) भू — भविष्यसि भविष्यथः भविष्यथ

(ii) अस् — आसीत् आस्ताम् आसन्

(iii) कृ — करोमि कुर्वः कुर्मः।

प्रश्न 12. कारक पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) सीता रामेण सह वनं गता।

(ii) सः विप्राय धनम् ददाति।

(iii) माता गृहम् अधितिष्ठति।

उत्तर—

(i) रामेण - तृतीया विभक्ति - करण कारक

(ii) धनम् - चतुर्थी विभक्ति - संप्रदान कारक

(iii) गृहम् - द्वितीया विभक्ति - कर्म कारक

प्रश्न 13. वाक्य पहचानकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) रामः भक्षणं करोति।

(ii) त्वया कथां कथ्यते।

(iii) तेन हस्यते।

उत्तर—

(i) रामः भक्षणं करोति - कर्तृवाच्य

(ii) त्वया कथां कश्यते - कर्मवाच्य

(iii) तेन हस्यते - कर्मवाच्य

प्रश्न 14. विलोम शब्द चुनकर लिखिए—(कोई 2) **2**

(i) श्वः - (अद्य / ह्य / परश्वः)

(ii) सनाथः - (अनाथः / विनाथः / गतनाथः)

(iii) दुःखम्: - (सुखम् / आनंदः / हर्षः)

उत्तर—

(i) श्वः - ह्य

(ii) सनाथः - अनाथः

(iii) दुःखम् - सुखम्

प्रश्न 15. (अ) कोई दो सुभाषित श्लोक अपनी पाठ्य पुस्तक से लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आये हों। **2 + 2**

उत्तर—

1. यातयामं गतरसं पूतिपर्युषितं च यत्।
   उच्छिष्टम" चामेध्यं भोजनं तामस"यम्।।
2. दातण्यमिति यद्दानं दीयतेऽनुपकारिणे।
   देशेकाले च पात्रे च तददानं सात्तिवकं स्मृतम्।।

(ब) अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो सूक्ति अर्थ सहित लिखिए।

उत्तर—

(1) मातृदेवो भव, "तृ देवो भव

अर्थ—माता-पिता के साथ देवता समान मान-सम्मान का व्यवहार करना चाहिए।

(2) सत्यमेव जयते।

अर्थ—सत्य की ही सदा जीत होती है।

प्रश्न 16. किन्हीं दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **3 + 3**

(अ) किम् भवन्तः जानन्ति आर्यभट्ट नाम उपग्रह्यानं भारते 1975 तमे वर्षे निर्मितम् आसीत्? अस्य नाम आर्यभट्ट इति कथं निर्धारितम्? नूनं भारते पञ्चभ्याम् शताब्दयाम् 476 तमे वर्षे आर्यभट्टः नामकः मलन ज्योतिर्विद गणितज्ञः च आसीत् येन आर्यभट्टीयं इति गणितस्य ज्योतिः शास्त्रस्य च प्रथमः सुनियोजितः ग्रन्थ रचितः।

(ब) एकदा बोधिसत्वः स्वपुण्यप्रभावात् दानसंयम करुणादिभिः गुणैरलङकृतः देवानामधिषः शक्रः अभवत्। तस्य प्रासादे राजलक्षी शशिनः प्रभेव अधितम् अराजत। नानासुखभोग समन्विताऽ"सा लक्ष्मीं तस्य हृदयं दर्पमलिनं नाकरोत्। तस्य शक्रस्य सर्वलोकेषु व्याप्ताम् कीर्तिम् अत्यद्भुतां लक्ष्मीं च असहमानाः दैत्यगणाः ईर्ष्यालवः जाताः।

(स) राजा दुग्धपूर्णपात्रद्वारा भया संदेशः प्रेषितः यत् यथा इदं पात्रं दुग्धेन पूरितम् तथा मम

सभा अ" कविभि: परिपूर्णा अस्ति। कविना इदम् सूचितम् यत् यथा शर्करा स्थानाभावेऽ" दुग्ध ोन सह मिश्रीभूय तस्य मधुरताम् वर्धयति तथा असम" कविभि: सह मिलित्वा सभाया: श्रीवृद्धिं करिष्यामि इति।

उत्तर—

(अ) किम् भवन्त:.....ग्रन्थ रचिता:।

अनुवाद—क्या आप सब जानते हैं कि आर्यभट्ट नामक उपग्रह यान भारत में सन् 1975 में बनाया गया था? इसका नाम आर्यभट्ट क्यों रखा गया? निश्चित ही भारत में पाँचवीं शताब्दी, वर्ष 476 में आर्यभट्ट नामक ज्योतिष एवं गणित के जानकार थे, जिन्होंने आर्यभट्टीय ऐसा गणित तथा ज्योतिषशास्त्र का पहला सुनियोजित ग्रन्थ लिखा।

(ब) एकदा बोधिसत्व:.....ईर्ष्यालव: जाता:।

अनुवाद—एक बार बोधिसत्व अपने पुण्य के प्रभाव से दान, संयम, करुणा आदि गुणों से अलंकृत देवताओं के राजा इन्द्र बने। उनके महल में राजलक्ष्मी चन्द्रप्रभा की भाँति अधिक सुशोभित हुई। अनेक सुख भोग से युक्त होते हुए भी उस लक्ष्मी ने उसके हृदय को घमण्ड के मैल से युक्त नहीं किया। उस इन्द्र की समस्त लोकों में फैली हुई कीर्ति एवं अत्यधि ाक अद्‌भुत लक्ष्मी को न सहते हुए दैत्यगण ईर्ष्या की अग्नि में जलने लगे।

(स) राजा दुग्धपूर्णपात्रद्वारा.....करिष्यामि इति।

अनुवाद—राजा—दूध से भरे हुए पात्र के द्वारा मैंने संकेत भेजा कि जिस प्रकार यह पात्र दूध से भरा हुआ है उसी प्रकार मेरी सभा भी कवियों से पूरी तरह भरी है। कवि ने यह सूचित किया कि जिस प्रकार शक्कर दूध के साथ मिलकर उसकी मिठास बढ़ाती है, उसी प्रकार मैं भी कवियों से मिलकर सभा की शोभा बढ़ाऊँगा।

प्रश्न 17. किन्हीं दो श्लोकों का (मातृभाषा) हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 3 + 3

(अ) यथा खनन् खनित्रेण नरो वार्यधिगच्छति।
तथा गुरुगतां विद्यां शुश्रुषुराधिगच्छति।।

(ब) विन्ध्याचलो यस्य विशालवक्ष: पूर्वापरौ बाहुसमौ नगेन्द्रौ।
पयोधिना धौतपद: प्रकामं स मे "यो भारतभव्य देश:।।

(स) अन्यदीये तृणे रत्ने काञ्चने मौक्तिकेऽ" च।
मनसा" विनिवृत्तिर्या तदस्तेयं विदुर्बुधा:।।

उत्तर—

(अ) यथा खनन्.....शुश्रुषुराधिगच्छति।

अनुवाद—जिस प्रकार कुदाल से खोदने वाला मनुष्य जल प्राप्त करता है; उसी प्रकार सेवा

करने वाला गुरु में रहने वाली विद्या को प्राप्त करता है।

(ब) विन्ध्याचलो.....भारतभव्य देशः।

अनुवाद—विन्ध्य पर्वत जिसका विशाल वक्ष स्थल है तथा पूर्वी एवं पश्चिमी पर्वत जिसकी दो भुजा समान हैं, समुद्र जिसके चरणों को जी भरकर धोया करता है, वह मेरा "य भव्य भारत देश है।

(स) अन्यदीये.....विदुर्बुधाः।

अनुवाद—दूसरे की वस्तु को, चाहे वह तिनके समान तुच्छ से तुच्छ रूप में हो या मूल्यवान सोना या मोती के रूप में हो उसके प्रति मन से भी आसक्ति न होने को विद्वान पुरुष अस्तेय अर्थात् लगाव न होना जानते हैं।

प्रश्न 18. निम्नांकित शीर्षक में से किसी एक नाटक से मिलने वाली शिक्षा लिखिए— (120 शब्दों में) **3**

(i) मातुराज्ञा गरीयसी

(ii) तेजसां हि न वयः शोभते।

उत्तर— **(i) मातुराज्ञा गरीयसी**

हिडिम्बा नामक एक राक्षसी अपने व्रत की पारणा (उद्यापन) के लिए अपने पुत्र घटोत्कच को एक मनुष्य लाने का आदेश देती है। आज्ञापालनार्थ वह जंगल में केशवदास के परिवार को पकड़ लेता है। केशवदास के तीन पुत्र थे, तीनों एक दूसरे की प्राण रक्षा के लिए आहुति देने को तत्पर थे। अन्ततः मध्यम नामक पुत्र घटोत्कच के साथ जाता है। मध्यम जल पीने की अनुमति लेता है वहाँ उसे देर हो जाती है तो घटोत्कच 'मध्यम मध्यम' करके पुकारता है। आवाज सुनकर कुन्ती पुत्री में मध्यम 'भीम' उपस्थित होता है। दो 'मध्यम' देखकर घटोत्कच सोच में पड़ जाता है। वह दोनों को घर ले जाता है। हिडिम्बा भीम को देखकर बताती है कि भीम ही उसके "ता हैं। घटोत्कच अपने व्यवहार के लिए माफी माँगता है। इधर सकुशल बच जाने से केशवदास परिवार भी खुश हो जाते हैं। वे भीम को धन्यवाद देते हैं। क्योंकि उसने एक ब्राह्मण परिवार की रक्षा की। इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि "रक्षितः धर्मः रक्षित" जो दूसरों की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। केशवदास परिवार के त्याग, घटोत्कच के आज्ञापालन, भीम का रक्षा के लिए दृढ़संकल्प, परिवार से मिलन सभी धर्म का पालन करते हैं।

(i) तेजसां हि न वयः समीक्ष्यते

इस नाटक से मिलने वाली शिक्षा है कि लव के पराक्रम को देखकर चन्द्रकेतु स्वयं अपने को तथा लव दोनों को समान बलशाली व तेजस्वी मानकर न्यायायुद्ध की बात करता है। चन्द्रकेतु कहता है अपने ही लोगों (सैनिकों) को विनाश करने से क्या लाभ, मुझसे युद्ध करो। युद्ध में चन्द्रकेतु और सुमन्त्र दोनों ही लव के जृम्भकास्त्र के प्रयोग से

आश्चर्यचकित हो जाते हैं। तब चन्द्रकेतु युद्ध सिद्धान्त का न्याय और रघुकुल की रीति के अनुसार पैदल चलकर लव से मिलता है। अर्थात् युद्ध में हमें शत्रु को कभी भी निर्बल नहीं समझना चाहिए और युद्ध में भी धर्म का पालन (आचरण) करना चाहिए। यही न्याय-संगत है।

प्रश्न 19. "साहसे श्रीः प्रतिवसति" के सन्दर्भ में 120 शब्द में कथासार लिखिए। 3

उत्तर—इस कहानी में बताया गया है कि साहसी व्यक्ति में उदारता, त्याग, सहिष्णुता तथा परोपकार की भावना होती है। वह हमेशा कर्म पथ पर अग्रसर रहता है। उसमें असम्भव को सम्भव कर दिखाने की क्षमता होती है। राजा त्रिविक्रम सेन एक साहसी राजा था। एक भिक्षुक राजा को प्रतिदिन एक फल देता है। राजा भिक्षुक की सहायता के लिए श्मशान जाता है। रात के घोर अन्धकार में श्मशान जाना बड़े साहस का काम है। वहाँ मृत शरीर में स्थित वेताल राजा को भिक्षुक की दुर्भावना बताते हुए सावधान करता है। राजा कपटी भिक्षु को मारकर अपने प्राणों की रक्षा करता है और वेताल को प्रेतयोनि से मुक्ति दिलाता है। साहस एक प्रकार का विशेष गुण है। साहसी व्यक्ति सदा ही परोपकार की भावना से ओतप्रोत रहता है। इसलिए कहा गया है—साहस में ही लक्ष्मी का निवास होता है।

प्रश्न 20. जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अपने मित्र को संस्कृतभाषा में बधाई पत्र लिखिए। 3

उत्तर— जन्मदिवसोपलक्ष्ये मित्राय वर्धापनं पत्रम्

246 सी बी-4 केशवपुरम
दिल्लीतः
16.12.20.....

प्रिय मित्र सत्य,

सस्नेह नमः !

जन्मदिवसस्यावसरे तव सौख्याय, दीर्घायुष्याय, स्वस्थजीवनाय, च ईश्वरं प्रार्थये। मम हार्दिक शुभकामनाः वर्धापनानि च स्वीकुरु।

तव अभिन्नहृदयः
प्रदीप कुमार

अथवा

प्रश्न—शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने अध्यापक को संस्कृत भाषा में बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर—

4/38 रूपनगरम्
दिल्लीतः

03/09/20..

श्रद्धेया: गुरुचरणा:

सादरं प्रणामाञ्जलय:।

शिक्षकदिवसावसरे जीवननिर्मातृणां, गुरुजनानां चरणेषु श्रद्धासुमनोऽञ्जलिम् वर्धापनानि च अर्पयामि।

भवतां विनेय

सात्विक:

प्रश्न 21. पाठ "प्राणस्य श्रेष्ठतम" में शरीर में कौन श्रेष्ठ है और क्यों? उत्तर 120 शब्दों में हिन्दी में लिखिए। **3**

उत्तर—शरीर में प्राण श्रेष्ठ है। क्योंकि प्राण के शरीर से निकल जाने पर यह शरीर नष्ट हो जाता है। आत्मा भौतिक शरीर में रहती है। शरीर तो नश्वर है, आत्मा अमर है। एक बार आँख, कान, वाक् आदि में झगड़ा हो गया। सभी इन्द्रियाँ अपने को श्रेष्ठ बताने लगीं । वे ब्रह्मा के पास गए। ब्रह्मा ने कहा—जिस इन्द्रिय के चले जाने पर शरीर नष्ट हो जाए अर्थात् जी न सके वही श्रेष्ठ है। यह सुनकर सबसे पहले वाक् इन्द्रिय चली गई। एक वर्ष बाद लौटी तो सभी इन्द्रिय जीवित पायीं, ऐसा करके एक-एक वर्ष के लिए सभी इन्द्रिय निष्क्रिय रहीं तब भी बाकी इन्द्रिय जीवित रहीं। यहाँ तक मन भी निकल गया तो भी सभी इन्द्रिय जीवित रहीं, लेकिन जब प्राण ने शरीर से निकलना प्रारम्भ किया, सभी इन्द्रियाँ पीड़ित हो गयीं और अपना नियन्त्रण खोने लगीं। इसका अर्थ यह हुआ कि शरीर में प्राण ही श्रेष्ठ है।

प्रश्न 22. सदाचार: अथवा परोपकार: नामक शीर्षक में से किसी एक विषय पर संस्कृत में 10 वाक्य में लिखिए।

उत्तर— **सदाचार:**

1. आचार: परमो धर्म:।
2. सदाचारवान नर: शतं वर्षाणि जीवति।
3. सज्जना: सदैव सत्यं वदन्ति, सत्कर्माणि च कुर्वन्ति।
4. सदाचारै: ते यश: सुख: नीरोगता च लभते।
5. अतएव वयम" तान् अनुसरणं कुर्याम्।
6. सदाचारिण: गुरुणाम् आदरं सम्मानं च कुर्वन्ति।
7. ते सदा गुरुणाम् आज्ञा: पालयन्ति।
8. चरित्रं यत्नपूर्वक रक्षितव्यं।
9. सदाचारै: एव जना संसारे उन्नतिम् कुर्वन्ति।
10. सदाचारवान् सर्वस्य "यं भवति।
11. सत्संगतिऽ" श्रेष्ठ सदाचार:।

12. अतएव जनैः सदाचारः पालनीयः।

अथवा

परोपकारः

जीमूतकेतुः विद्याधराधिपतिः आसीत्। तस्य गृहे कल्पतरुः स्थितः। सः तं सम्पूज्य तत्प्रसादात् जीमूतवाहनो नाम पुत्रं प्राप्तवान्। सः महान् दानवीरः सर्वजीवानुकम्पी च अभवत्। कालन राजा तं यौवराज्यदे अभिषिक्तवान्। एकदा मन्त्रिभिः सः उक्तः—युवराज! अयं कामदः कल्पतरु सदा पूज्यः।

एतत् आकर्ण्य जीमूतवाहनः कल्पतरुम् उपगम्य अकथयत्—देव! ममैकां कामनां पूरयतु। यथा पृथ्वीम् अदरिद्रां पश्यामि, तथा करोतु देवः। लोकस्य अर्थिने त्वं मया दत्तोऽसि।" इति क्षणेन स कल्पतरु भुवि तथा वसूनि अवर्षत् यथा कोऽ" न दुर्गतः आसीत्। ततः तस्य जीमूतवाहनस्य परोपकाराय सर्वत्र यशः प्रशितम्। सत्यमुक्तम्—"परोपकाराय हि सतां विभूतयः।

प्रश्न 23. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए— **6**

जीवनस्य सुचारु संचालनाय, साधनानि अपेक्षितानि। अधूना विज्ञानस्य विकासेन मानवजीवनं सुकरयातम्। यातायात व्यवस्थायाम् रेल-वायुयानादीनां विकासेन कुत्रा" अल्पकालेन गन्तु शक्यते। विद्युत व्यवस्था न केवलं गृहम्, अ"तु संयन्त्राणां संचालने अ" महती आवश्यकता पूर्तिः जाता। अधूना वयं वैज्ञानिक साधनैः विना षङ्गुवत्।

प्रश्न 1. सारांश लेखनं करोतु?

प्रश्न 2. शीर्षकं ददतु ?

उत्तर—1. सारांशम्—जीवनस्य सुचारुसंचालनाय वैज्ञानिक साधनानि अपेक्षातानि/तानि यातायात, विद्युत गृहे इत्यादिनि क्षेत्रेः आवश्यकता वर्तते।

2. शीर्षकम्—वैज्ञानिक साधनानि।

प्रश्न 24. (अ) निम्नांकित में से किन्हीं चार का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

4

(i) गृहम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।

(ii) ह्यः रविवारः आसीत्।

(iii) कूपस्य अधः जलम् अस्ति।

(iv) वृक्षेषु खगाः सन्ति।

(v) छात्रेषु नंदनः श्रेष्ठः अस्ति।

(vi) "ता पुत्राय क्रुध्याति।

उत्तर—

(i) घर के दोनों ओर पेड़ हैं।

(ii) कल रविवार था।

(iii) कुएँ में आधा जल है।
(iv) वृक्षों में पक्षी रहते हैं।
(v) छात्रों में नन्दन श्रेष्ठ है।
(vi) "ता पुत्र पर क्रोध करता है।

(ब) निम्नांकित में से किन्हीं चार का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 4

(i) गंगा हिमालय से निकलती है।
(ii) सीमा मधुर बोलती है।
(iii) श्रीराम को नमस्कार है।
(iv) "ता पुत्र के साथ जाता है।
(v) गाँव के चारों ओर वन हैं।
(vi) आकाश में पक्षी उड़ते हैं।

उत्तर—

(i) गंगा हिमालयात् प्रभवति।
(ii) सीमा मधुरं वदति।
(iii) श्री रामाय नमः।
(iv) "ता पुत्रेण सह गच्छति।
(v) ग्रामं परितः वनानि सन्ति।
(vi) आकाशे खगाः उड्डन्ति।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—2010

कक्षा-10वीं

विषय-संस्कृत

सेट-5

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। शुद्ध एवं सुवाच्य लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं 22 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए। सभी प्रश्न एक-एक अंक के हैं।

(i) महिला शब्द का एक समानार्थक शब्द लिखिए—

उत्तर—नारी, अबला।

(ii) उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—

चत्वारि.....वर्धन्ते। (कस्य/तस्य)

उत्तर—तस्य।

(iii) उपसर्गों की संख्या चयन कर लिखिए—

(1) चौबीस

(2) तेईस

(3) बाईस

(4) बीस।

उत्तर—(3) बाईस।

(iv) सत्य कथन में सही और असत्य कथन में गलत लिखिए—

मकरी मकरं वानरं आनेतुं आदिशति।

उत्तर—सही (√)।

(v) निम्नांकित में से अव्यय शब्द (स्थनानवाचक) को लिखिए—

(1) कथम्

(2) कदा

(3) कुत्र

(4) ततः

उत्तर—(3) कुत्र।

(vi) सही क्रिया चयन कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

वयं भारतीयाः शूरवीराः ..... । (भवामि, भवावः, भवामः)

उत्तर—भवामः।

(vii) निम्नांकित शब्द का हिन्दी अर्थ लिखिए–

खात्

उत्तर—**खात्** = आकाश से।

(viii) सही विभक्ति लिखिए–

युष्माकम्

(1) पंचमी

(2) तृतीया

(3) षष्ठी

(4) द्वितीया।

उत्तर—(3) षष्ठी।

(ix) चारुदत्तम् पुस्तक है–

(1) गद्यकाव्य

(2) पद्यकाव्य

(3) नाटक

(4) चम्पूकाव्य।

उत्तर—(3) नाटक।

(x) 'एहि वत्स एहि' पद का सही अर्थ चयन कर लिखिए–

(1) गच्छ

(2) उपविश

(3) आगच्छ

(4) प्रविश।

उत्तर—(3) आगच्छ।

(xi) सही उत्तर को लिखिए–

(1) नरः केवलं महद्भ्यः शास्त्रेभ्यः सारं आदद्यात्।

(2) नरः केवलं अणुभ्यः सारं आदद्यात्।

(3) नरः सर्वतः सारं आदद्यात्।

(4) भ्रमरः पुष्पेभ्यः गन्धं गृहणाति।

उत्तर—(3) नरः सर्वतः सारं आदद्यात्।

(xii) निम्नांकित में से कौन-सा पद अव्यय नहीं है–

(1) यद्य"

(2) प्रभूतम्

(3) सह

(4) सर्वतः।

उत्तर—(2) प्रभूतम्।

(xiii) वाक्य पूर्ण कीजिए—

1. .....भोजनं पचति।

उत्तर—माता।

(xiv) निम्न धातु के साथ शतृ प्रत्यय जोड़कर लिखिए—

लिख् + शतृ

उत्तर—लिखत्।

(xv) प्रक्ष्यति धातु रूप है, चयन कर लिखिए—

(1) लट्लकार

(2) लङ्लकार

(3) लोटलकार

(4) लृट्लकार।

उत्तर—(4) लृट्लकार।

(xvi) विलोम शब्द चयन कर लिखिए—

सनाथः (अनाथः, विनाथः, गतनाथः)

उत्तर—अनाथः।

(xvii) सन्धि कीजिए—

बालकः + अयम्।

उत्तर—बालकोऽयम।

(xviii) समास कीजिए—

दुःख प्राप्तः।

उत्तर—दुःखप्राप्तः।

(xix) श्रीमान् शब्द का स्त्रीलिंग लिखिए।

उत्तर—श्रीमती।

(xx) काम करने में जो स्वतन्त्र हो उसे क्या कहते हैं ?

उत्तर—श्वेच्छाचारी।

(xxi) प्रकृति प्रत्यय पृथक् कर लिखिए—

दातव्यम्।

उत्तर—दा + तव्यत्।

(xxii) वाक्य शुद्ध कर लिखिए— (कर्ता के अनुसार)

त्वम् गृहं गच्छति।

उत्तर—त्वम् गृहं गच्छसि।

(xxiii) कृष्णः कं जद्यान चयन कर लिखिए–

(1) महिषासुरम्

(2) मारीचम्

(3) घटोत्कचम्

(4) कंसम्।

उत्तर—(4) कंसम्।

(xxiv)निम्नांकित अव्ययों में से एक अव्यय द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

(1) यत्र

(2) तत्र

(3) सर्वत्र।

ईश्वर.....अस्ति।

उत्तर—(3) सर्वत्र।

खण्ड-ब

प्रश्न 2. शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने अध्यापक को एक बधाई पत्र लिखिए। (संस्कृत भाषा में)। **4**

उत्तर—

4/38 रूपनगरम्

दिल्लीतः

03/09/20..

श्रद्धेयाः गुरुचरणाः

सादरं प्रणामाञ्जलयः।

शिक्षकदिवसावसरे जीवननिर्मातृणां, गुरुजनानां चरणेषु श्रद्धासुमनोऽञ्जलिम् वर्धापनानि च अर्पयामि।

भवतां विनेय

सात्विकः

अथवा

प्रश्न—परीक्षा में प्रथम आने पर अपने छोटे भाई को संस्कृत भाषा में बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर—

ए-1, कृष्णानगरम्

शाहदरा दिल्लीतः

04.05.20....

प्रिय अनुज हेमन्त,

शुभाशीषः।

मैट्रिकपरीक्षायां प्रथमस्थानं प्राप्य सफलतायै मम पक्षतः तव भ्रातृजायायाः पक्षतः च भूयोभूयः वर्धापनानि आशीर्वादाः च अग्रेऽ" भवान् अहर्निशं सतत्परिश्रमेण एवमेव सफलतायाः सोपान मारोहेतू इति मम कामना विश्वासश्च।

तव भ्राता

गौरवः।

प्रश्न 3. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के सन्धि विच्छेद कर प्रकार लिखिए— **2**

(1) महर्षिः

(2) कविरयम्

(3) हरेऽत्र

(4) मध्वरिः

(5) उच्चारणम्

(5) दिग्गजः।

उत्तर—(1) महर्षि—महा + ऋषिः (आ + ऋ = अर्) गुण स्वर संधि।

(2) कविरयम्—कविः + अयम् — विसर्ग संधि।

(3) हरेऽत्र—हरे + अत्र — (ए + अ = ए) पूर्णरूप संधिसूत्र।

(4) मध्वरिः—मधु + अरिः — यण स्वर संधि।

(5) उच्चारणम्—उत् + चारणम् — व्यञ्जन संधि।

(6) दिग्गजः — दिक् + गजः — व्यञ्जन संधि।

(ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के सन्धि कर प्रकार लिखिए— **2**

(1) तत् + लीनः

(2) इतः + ततः

(3) जल + ओद्यः

(4) भानु + उदयः

(5) प्रति + एकः

(6) सत् + चित्।

उत्तर—(1) तत् + लीनः = तल्लीनः — लत्व व्यञ्जन संधि।

(2) इतः + ततः = इतस्ततः — विसर्ग संधि।

(3) जल + ओधः = जलौधः — वृद्धि स्वर संधि।

(4) भानु+ उदयः = भानूदयः — दीर्घ स्वर संधि।

(5) प्रति + एकः = प्रत्येकः (इ + ए = य) — यण स्वर संधि।

(6) सत् + चित् = सच्चित् — व्यञ्जन संधि।

प्रश्न 4. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के समास विग्रह कर प्रकार लिखिए— 2

(1) बाणहतः

(2) नीलोत्पलम

(3) अनर्थः।

उत्तर—(1) बाणहतः — बाणेन् हतः — तृतीया तत्पुरुष समास

(2) नीलोत्पलम — नीलम् उत्पलम् — कर्मधारय समास

(3) अनर्थः — न अर्थः — नञ् तत्पुरुष समास।

(ब) निम्नलिखित विग्रह पदों के समास पद लिखकर प्रकार लिखिए— 2

(1) दुःखातः त्रातः

(2) शक्तिम् अनतिक्रम्य

(3) त्रयाणाम् पथाम् समाहारः।

उत्तर—(1) दुःखात् त्रातः = दुःखत्रातः — तुत्पुरुष समास।

(2) शक्तिम् अनतिक्रम्य = यथाशक्ति — अव्ययीभाव समास।

(3) त्रयाणाम् पथाम् समाहारः = त्रिपथम् — द्विगु समास।

प्रश्न 5. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार शब्दों के निर्देशानुसार शब्द रूप लिखिए— 2

(1) राम — पंचमी विभक्ति

(2) मति — तृतीया विभक्ति

(3) अस्मद् — द्वितीया विभक्ति

(4) आत्मन् — तृतीया विभक्ति

(5) फल — षष्ठी विभक्ति

(6) तद् (पु.) — सप्तमी विभक्ति

उत्तर—

(1) रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
(2) मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
(3) माम्-मा	आवाम्-मौ	अस्मान्-नः
(4) आत्मना	आत्मभ्याम्	आत्मभिः
(5) फलस्य	फलयोः	फलानाम्
(6) तस्मिन्	तयोः	तेषु

(ब) निम्नलिखित किन्हीं चार शब्द रूपों के मूल शब्द विभक्ति एवं वचन लिखिए— 2

(1) रमाम् (2) "तुः (3) पयसाम्

(4) तुभ्यम् (5) तस्य (6) फलेषु।

उत्तर—

(1) रमाम्	—'रमा'	— द्वितीया विभक्ति	— एकवचन
(2) "तुः	— '"तृ'	— पञ्चमी विभक्ति	— एकवचन
(3) पयसाम्	— 'पयस्'	— षष्ठी विभक्ति	— बहुवचन
(4) तुभ्यम्	— 'युष्मद' (तुम)	— चतुर्थी विभक्ति	— एकवचन
(5) तस्य	— 'तद' (पु.)	— षष्ठी विभक्ति	— एकवचन
(6) फलेषु	— 'फल'	— सप्तमी विभक्ति	— बहुवचन

प्रश्न 6. अपठित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 2 + 4

(1) शीर्षक, (2) सारांश (हिन्दी में)

वैज्ञानिक युगे ज्ञान प्रसाराय यानि-यानि साधनानि आविष्कृतानि सन्ति तेषु समाचार पत्राण ाम" अन्यतम स्थानं वर्तते। कस्याऽ" ज्ञातव्य-विषयस्य अल्पीयसाकालेन व्यापक प्रचारो यथा समाचार पत्र द्वारां कर्तुं शम्यते न तथा अन्येन केना" उपायेन। अतएव ज्ञान विस्तार क्षेत्रे समाचार पत्राणां महती उपयोगिता वर्तते।

उत्तर—(1) शीर्षक—समाचार पत्राणां महत्वम्।

(2) सारांश—वैज्ञानिक युग में ज्ञान प्रसार साधनों में अनेक आविष्कार हुए हैं जिसमें समाचार-पत्र का महत्वपूर्ण स्थान है। अल्प समय में समाचार-पत्र द्वारा जितना व्यापक प्रचार हुआ कोई अन्य नहीं कर सकता। इसलिए ज्ञान विस्तार के लिए समाचार-पत्र का बहुत महत्व है।

प्रश्न 7. (अ) निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए—(कोई दो) 2

(1) भू (भव्) — लट्लकार — उत्तम पुरुष

(2) प्रच्छ् — लोट्लकार — प्रथम पुरुष

(3) नश् — लङ्लकार — मध्यम पुरुष।

उत्तर—

(1) भवामि	भवावः	भवामः
(2) पृच्छतु	पृच्छताम	पृच्छन्तु
(3) अनश्यः	अनश्यतम्	अनश्यत

(ब) निम्नलिखित धातु रूपों के मूल धातु, पुरुष व वचन लिखिए—(कोई दो) 2

(1) भविष्यति

(2) तुदन्तु

(3) कथयेत्।

उत्तर—

(1) 'भू' (भव)	— प्रथम पुरुष	— एकवचन
(2) 'तुद्'	— प्रथम पुरुष	— बहुवचन
(3) 'कथ'	— प्रथम पुरुष	— एकवचन

प्रश्न 8. (अ) प्रकृति प्रत्यय पृथक कीजिए—(कोई दो) **2**

(1) आगत्य

(2) सेवमानः

(3) गतः

उत्तर—

(1) आगत्य — आ + गत् + ल्यप्

(2) सेवमानः — सेव + शानच्

(3) गतः — गम् + क्त।

(ब) प्रकृति प्रत्यय जोड़कर लिखिए—(कोई दो) **2**

(1) गम् + तव्यत्

(2) पटु + ता

(3) लिख् + क्तवतु

उत्तर—

(1) गम् + तव्यत् = गन्तव्य

(2) पटु + ता = पटुता

(3) लिख् + क्तवतु = लिखितवान्

प्रश्न 9. (अ) निम्नलिखित अव्ययों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—(कोई दो) **2**

(1) सर्वत्र

(2) बिना

(3) अधुना

उत्तर—

(1) सत्यमेव सर्वत्र जयते

(2) कं बिना शरीरं निर्मलं न भवति।

(3) अधुना भारतं स्वतंत्रम् अस्ति।

(ब) निम्नांकित उपसर्गों के एक-एक शब्द बनाकर लिखिए—(कोई दो) **2**

(1) परा

(2) वि

(3) परि।

उत्तर—

(1) परा + भवति = पराभवति, परा + जयति = पराजयते

(2) वि + चरति = विचरति, वि + तरति = वितरति

(3) परि + वर्तते = परिवर्तते, परि + चिनोति = परिचिनोति।

प्रश्न 10. अपनी पाठ्यपुस्तक से कंठस्थ चार सूक्तियाँ लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आयी हों। 4

उत्तर—

1. नास्ति मातृक्षमा छाया।
   (माता के समान कोई छाया नहीं है)
2. न निम्बवृक्षः मधुरत्वमेति।
   (नीम के वृक्ष में कभी मिठास नहीं होती अर्थात् दुष्ट कभी अपनी दुष्टता नहीं छोड़ता है।)
3. सत्यमेव जयते।
   (सत्य की सदा विजय होती है।)
4. नास्ति क्रोधस्य रिपुः।
   (क्रोध के समान शत्रु नहीं है।)

खण्ड 'स'

प्रश्न 11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो गद्यांशों का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए— 6

(क) मृदोर्भावः मर्दवम् कोमलत्वम्, निरभिमानित्वम् इति वा। जगति प्रायेण मनुष्याः किम" आसाद्य, किम" संपाद्य वा अभिमानिनः भवन्ति, यथा वयमेव धनाढ्याः, वयमेव शासकाः, वयमेव च वक्तारः, वस्तुतः ये असम्पूर्णाः, अप्राप्तवस्तुतत्वाः भवन्ति, तेषु एव अहंकारः स्वलास्यं दर्शयति, परन्तु स एव अहंकारः, परिपूर्णानां शास्त्रज्ञानां च हृदयानि नैव मलिनयति।

अनुवाद—मृदु का भाव मार्दव अर्थात् कोमलता अथवा घमण्ड न करना है। संसार में प्रायः मनुष्य कुछ भी पाकर अथवा कुछ भी पूरा करके अभिमानी हो जाते हैं। जैसे हम ही धनवान् हैं, हम ही शासन करने वाले और हम ही भाषण देने वाले हैं। वास्तव में जो लोग अधूरे और वस्तु का तत्व प्राप्त न करने वाले होते हैं, उनमें ही अहंकार अपना नृत्य अर्थात् प्रभाव दिखाता है, परन्तु वही घमण्ड पूरे और शास्त्र जानने वालों के हृदयों को मैला नहीं करता।

(ख) राजा कथां शृणोति धैर्येण च युक्तिसंगतम् उत्तरं ददाति। तच्छ्रुत्वा वेतालः पुनः शिंशपातरौ लम्बते। इत्थं राजा चतुर्विंशति वारं मृतकम् आनयत् प्रश्नानां समुचितैः उत्तरैः च वेतालम् अतोषयत्। पंचविंश कथायां प्रश्नः नासीत, अतः राजा मौनं धृत्वा प्राचलत्।

अनुवाद—राजा कथा सुनता है और धैर्य से युक्तिसंगत उत्तर देता है। उसे सुनकर वेताल फिर शीशम के पेड़ पर लटक जाता है। इस प्रकार राजा चौबीस बार मुर्दे को लाया और प्रश्नों के समुचित उत्तरों के द्वारा वेताल को सन्तुष्ट किया। पच्चीसवीं कथा में प्रश्न नहीं था, इसलिए राजा मौन धारण करके चला।

(ग) बोपदेवः विचारमग्नः अभवत्। यदि कठोरायां शिलायां कोमलैः घटैः गर्ताः भवन्ति, तर्हि पुनः पुनः अभ्यासेन कथम् अहं विषयान् न अवगमिष्यामि। अहम" मनोयोगेन पठिष्यामि,

लेखिष्यामि, स्मरिष्यामि कुशाग्र-बुद्धि च भविष्यामि।

अनुवाद—बोपदेव सोचने में लग गया। अगर कड़ी शिला पर कोमल घड़ों के द्वारा गड्ढे बन जाते हैं, तो बार-बार अभ्यास करने से मैं विषयों को क्यों नहीं समझूँगा ? मैं भी मन लगाकर पढ़ूँगा, लिखूँगा और याद करूँगा तथा तेज बुद्धि वाला हो जाऊँगा।

प्रश्न 12. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए— 6

(क) देव द्विज गुरु प्राज्ञ, पूजनं शौचमार्जवम्।
ब्रह्मचर्यं अहिंसा च, शरीरं तप उच्यते॥

(ख) भोजनान्ते "बेत् तक्रं, वासरान्ते "बेत् पयः।
निशान्ते च "बेत् वारि, त्रिभिः रोगो न जायते॥

(ग) सत्यमेवेश्वरो लोके, सत्ये धर्म सदाश्रितः।
सत्य मूलानि सर्वाणि, सत्यान्नास्ति परं पदम्॥

उत्तर—(क) देव द्विज.....तप उच्यते।

अनुवाद—देवताओं, ब्राह्मणों, गुरुओं तथा विद्वानों का आदर करना, पवित्रता, सरलता, बह्मचर्य और हिंसा न करना शरीर सम्बन्धी तप कहा गया है।

(ख) भोजनान्ते.....रोगो न जायते।

अनुवाद—भोजन के अन्त में छाछ (मट्ठा) पीनी चाहिए। दिन के अन्त में (रात में) दूध पीना चाहिए और रात के अन्त में अर्थात् प्रातःकाल उठने पर जल पीना चाहिए। इन तीन नियमों के निरन्तर पालन से रोग नहीं होते।

(ग) सत्यमेवेश्वरो.....परं पदम्।

अनुवाद—इस संसार में सत्य ही ईश्वर है। धर्म सदा सत्य पर आश्रित रहता है। सभी सत्य के मूल वाले हैं अर्थात् सत्य सभी का मूल है। सत्य से बढ़कर कोई भी पद नहीं है।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए— 3

(1) बोपदेवः केषां सुख बोधाय व्याकरणं अरचयत् ?

(2) भवान् मम अतिथिः इत्यत्र ममपदेन कस्य बोधः भवति ?

(3) कस्याः आज्ञा गरीयसी ?

(4) सीतायाः पतिः कः आसीत् ?

उत्तर—

(1) बोपदेव ने बालकों के सलतापूर्वक समझने के लिए व्याकरण की रचना की।

(2) वानर (बन्दर) के लिए।

(3) माता की आज्ञा शिरोधार्य है।

(4) सीता के पति श्री राम हैं।

(ब) निम्नलिखित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए— 3

(1) कूपस्य समीपे कीदृशः शिलाखण्डः आसीत् ?

(2) भूमे गुरुतरा का ?

(3) इन्द्रियाणि प्राणं किम् अवदन् ?

(4) सिंहस्य नादं श्रुत्वा शृगालः किम् कृतवान् ?

उत्तर—

(1) कूपस्य समीपे एकः विशालः शिलाखण्डः आसीत्।

(2) माता भूमेः गुरुतरा।

(3) इन्द्रियाणि प्राणं अवदन्—''हे भगवन् ! मा गच्छ त्वमेव अस्मासु श्रेष्ठः त्वं।

(4) सिंहस्य नादं श्रुत्वा शृगालः अधावत्।

प्रश्न 14. अपनी पाठ्य पुस्तक से कंठस्थ दो श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आये हों। 4

उत्तर—

(1) वृत्तं यत्नेन संरक्षेत् वित्तमेति च याति च।
अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतोहतः॥

(2) क्षमा शस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं करिष्यति।
अतृणे पतितो वहिनः स्वयमेवोपशाम्यति॥

प्रश्न 15. परोपकारः अथवा सत्संगत्याः प्रभावः शीर्षक में से किसी एक पर संस्कृत में दस वाक्य लिखिए।

उत्तर— परोपकारः

1. परोपकरः पुण्याय पापाय परपीड़नम्।
2. परेषां उपकारः परोपकारः इति कथ्यते।
3. यत्कार्य निःस्वार्थ भावनया परहिताय क्रियते तत् एव परोपकारः।
4. परोपकारिणः सज्जनाः भवन्ति।
5. तेषां सम्पूर्ण जीवनं पर हिसार्थं सम"तं भवति।
6. वृक्षाः पर हिताय स्व फलानि छायां च यच्छन्ति।
7. मेघाः जलम् वर्षित्वा संसारं रहितं कुर्वन्ति।
8. प्रकृति निरंतरं पर कल्याणरता वर्तते।
9. अस्माकं देशे दधीचिः शिविः आदि अनेके महापुरुषाः स्व शरीरं दत्वा अ" परोपकारं अकुर्वन्।
10. अतः वयम" परोपकारिणः भवेम्।
11. सत्यमुक्तं च—
परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थमिदं शरीरम्॥

अथवा

सत्संगत्याः प्रभावः

एकदा एकः आखेटकः द्वयोः शुकशवकायोः आपणं गतः। एकं शुकं आचार्यस्य हस्ते बिक्रीतवान् द्वितीयं च कश्चित् मद्यपः क्रीतवान्।

शुकः प्रकृत्या अनुकरणशीलः भवति। मद्यपस्य परिवारवत् तस्य शुक्रः अ" कलह"यान् अपशब्दान् शिक्षितवान्।

प्रथमः शुकः आचार्यस्य गृहे वेदानाम् उपनिषदां गीतायाः च श्लोकानां मन्त्रा च पाठं करोति स्म। पुनः तौ शुकौ केना" अपहत्य कस्यचित् महाधनस्य अग्रे विक्रीतौ। एकस्मात् शुकमन्त्रान् मांगलिकपद्यानि व श्रृत्वा धनी अतीव प्रासीदत् परं अन्यस्मात् शुकात् अपशब्दान् श्रुत्वा स सेवक तं हन्तुम् आदिशत्। तदैव प्रथमः शुकः अवदत्—अयं न हन्यताम्। यतः अस्य कोऽ" न दोषः। संगस्य प्रभावः। अहं तु मुनीनां वचनं श्रृणोमि स्म असौ च मद्यपस्य गृहे अपशब्दान्। उक्तं हि—संसर्गजाः दोषगुणाः भवन्ति।

प्रश्न 16. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **3**

1. अबलां प्रति दया कार्या।
2. शिवाय नमः।
3. वृक्षेषु खगाः सन्ति।
4. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गाद" गरीयसी।

उत्तर—

1. अबला पर दया करनी चाहिए।
2. शिवजी को नमस्कार है।
3. वृक्षों में पक्षी रहते हैं।
4. जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर होती है।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— **3**

(1) शाला के चारों तरफ वृक्ष हैं।

(2) गुरु के साथ विवाद मत करो।

(3) शिष्य पर शिक्षक क्रोध करता है।

(4) पर्वतों में हिमालय श्रेष्ठ है।

उत्तर—

(1) शालां परितः वृक्षाः सन्ति।

(2) गुरुणा सार्द्धम् विवादं मा कुरु।

(3) शिष्याय शिक्षकः क्रुध्यति।

(4) पर्वतेषु हिमालयः श्रेष्ठः।

प्रश्न 17. (अ) निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य पहचानकर नाम लिखिए—

(कोई तीन) **3**

(1) तेन गणेशः नम्यते।

(2) तेन भूयते।

(3) अहम् रामं स्मरामि।

(4) सीतया पुस्तकं पठ्यते।

उत्तर—

(1) कर्मवाच्य।

(2) भाववाच्य।

(3) कर्तृवाच्य।

(4) कर्मवाच्य।

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए—(निर्देशानुसार) (कोई तीन) **3**

(1) गोपालः चलचित्रं पश्यति (कर्मवाच्य)।

(2) सः हसति (भावचाच्य)।

(3) रामः पुस्तकं पठति (कर्मवाच्य)।

(4) मोहनेन विद्यालयः गम्यते (कर्तृवाच्य)।

उत्तर—

(1) गोपालेन चलचित्रं दृश्यते।

(2) तेन हस्यताम्।

(3) रामेश पुस्तकं पठ्यते।

(4) मोहनः विद्यालयं गच्छति।